राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 23 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–148 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमपी-बिहार सहित इन राज्यों में आज होगी भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। देश के अधिकांश राज्यों में इन दिनों बारिश हो रही है। दिल्ली, यूपी, बिहार जैसे उत्तर भारत के राज्य में बारिश होने की वजह से कुछ ही दिनों में तापमान में काफी कमी आ गई है। उधर, दक्षिण के राज्यों में मानसून के पहुंचने के बाद से ही लगातार बरसात हो रही है। पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश ने कहर बरपा रही है। असम, मेघालय जैसे राज्यों में बाढ़ से स्थिति खराब हो गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिल्ली में बारिश तो नहीं होगी, लेकिन बादल जरूर छाए रहेंगे। उधर, बिहार समेत कई राज्यों में आज झमाझम बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। गुजरात के अहमदाबाद में आज भी बारिश होगी। यहां का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मध्य प्रदेश के भोपाल में आज का मिनिमम टेम्प्रेचर 23 डिग्री सेल्सियस और मैक्सिमम टेम्प्रेचर 34 डिग्री सेल्सियस रहेगा। यहां आज बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान आने की आशंका है।

मौसम विभाग का कहना है कि झारखंड, बिहार और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों की ओर मानसून आगे बढ़ रहा है। एमआईडी के मुताबिक अगले पांच दिनों में पश्चिमी पट पर मूसलाधार बारिश हो सकती है। इसके अलावा उत्तर, मध्यम और पूर्वी भारत के राज्यों में भी तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक आज भी देश के कई अन्य राज्यों में गरज और तेज हवाओं के साथ वर्षा होगी। एमआईडी के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में इस सप्ताह प्री-मानूसन की बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके बाद मानसून के आगमन से बारिश की गतिविधियां तेज होंगी।

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को केंद्र ने जेड+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की

यह कदम भाजपा द्वारा झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने के एक दिन बाद आया है।निर्वाचित होने परओडिशा की 64 वर्षीय नेता भारत की राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी और दूसरी महिला होंगी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों द्वारा चौबीसों घंटे 'जेड प्लस' श्रेणी का सशस्त्र सुरक्षा कवच प्रदान किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह कदम भाजपा द्वारा झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने के एक दिन बाद आया है। निर्वाचित होने पर, ओडिशा की 64 वर्षीय नेता भारत की राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी और दूसरी महिला होंगी।

मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि गृह मंत्रालय से मंगलवार शाम को मिले आदेश के बाद सीआरपीएफ ने बुधवार सुबह से मुर्मू को सुरक्षा मुहैया कराई है।

जमीनी स्तर की राजनेता, मुर्मू के नाम प्रथम स्थान पर हैं। वह किसी भी राज्य के राज्यपाल के रूप में नियुक्त होने वाली ओडिशा की पहली महिला और आदिवासी नेता थीं। उन्होंने 2015 से 2021 तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया, जो राज्य में कार्यकाल पूरा करने वाली पहली राज्यपाल थीं। उनका राजनीतिक जीवन तब शुरू हुआ जब उन्होंने ओडिशा के रायरंगपुर में पार्षद के लिए चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। बाद में उन्होंने 2000 में रायरंगपुर से विधानसभा चुनाव जीता और राज्य में बीजद-भाजपा सरकार में मंत्री बनीं। एक विधायक और राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने बहुत सम्मान अर्जित किया।

गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। चार राज्यों में अनुसूचित जनजातियों के लिए 128 सीटें आरक्षित हैं, जिनमें से भाजपा ने पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ 35 सीटें जीती थीं।

- **यह कदम भाजपा द्वारा झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने के एक दिन बाद आया है। निर्वाचित होने पर, ओडिशा की 64 वर्षीय नेता भारत की राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी और दूसरी महिला होंगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि गृह मंत्रालय से मंगलवार शाम को मिले आदेश के बाद सीआरपीएफ ने बुधवार सुबह से मुर्मू को सुरक्षा मुहैया कराई है।**

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

लश्कर के तीन आतंकवादी गिरफ्तार

बड़गाम। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का धरपकड़ जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और लश्कर के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को दी है। दरअसल, गिरफ्तार आतंकी साथियों की पहचान आशिक हुसैन हाजम गुलाम मोही दीन डार और ताहिर बिन अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बड़गाम पुलिस ने 53 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 181 बटालियनों के साथ लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार करके प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद के साथ लश्कर-ए-तैयबा की आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। इस मामले में एक चीनी पिस्तौल, दो पिस्टल मैगजीन, 22 पिस्टल, एक एके मैगजीन और 30 एके राउंड सहित आतंकी अपराध में इस्तेमाल की गई एक बाइक भी बरामद की गई है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष की तरफ से यशवंत सिन्हा होंगे उम्मीदवार? ट्वीट से बढ़ी हलचल

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी आतंकवादियों, हथियारों और विस्फोटक सामग्री के परिवहन में शामिल रहे हैं और जिले के लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान कर रहे थे। कानून की संबंधित धाराओं के तहत चदूरा पुलिस स्टेशन चदूरा में मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।

जिन पर भी बुलडोजर चला वे अवैध निर्माण थे, सुप्रीम कोर्ट में योगी आदित्यनाथ सरकार का जवाब

नई दिल्ली। प्रयागराज एवं प्रदेश के अन्य हिस्सों में बुलडोजर चलाने की कार्रवाई पर उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दाखिल किया है। यूपी सरकार ने कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई का भाजपा के निलंबित प्रवक्ताओं की ओर से पैगंबर मोहम्मद पर दिए बयान के बाद भड़के दंगों से कोई ताल्लुक नहीं हैं। सरकार ने कहा कि अवैध निर्माण को गिराने की कार्रवाई नगर निकाय के नियमों के अनुसार की जा रही है। यही नहीं राज्य सरकार ने अदालत से मांग की है कि जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की अर्जी को पेनल्टी के साथ खारिज करना चाहिए।

यही नहीं योगी सरकार ने जमीयत की अर्जी को लेकर कहा कि उन्होंने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर याचिका डाली है। सरकार ने कहा कि उनकी ओर से लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत हैं। इसलिए उनकी अर्जी खारिज हो जानी चाहिए। सरकार ने साफ कहा कि यूपी में जिन संपत्तियों पर बुलडोजर चला है, वे अवैध थीं। इसके अलावा नगर निगम के नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है। दंगों में शामिल होने के चलते ही लोगों

पर ऐक्शन नहीं हुआ है। दंगा करने वाले लोगों पर अलग कानूनों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जिनके घरों पर बुलडोजर चला, उन्हें दिया जवाब देने का मौका

योगी सरकार ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के विरोध में दंगा करने वालों को सजा देने के लिए यह कार्रवाई नहीं की गई है। सरकार ने कहा कि हमने नगर निकाय के नियमों का पालन करते हुए अवैध निर्माणों को ही ढहाया है। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को अपना पक्ष रखने के लिए उचित मौका भी दिया गया था। अदालत की ओर से 16 जून को दिए गए नोटिस के जवाब में यूपी सरकार ने कानपुर और प्रयागराज में हुए बुलडोजर ऐक्शन को सही ठहराया। बता दें कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के विरोध में 3 जून को कानपुर में हिंसा भड़क गई थी, जबकि 10 जून को प्रयागराज में पत्थरबाजी और तोड़फोड़ हुई थी।

यूपी सरकार बोली- बुलडोजर ऐक्शन का दंगों से संबंध नहीं

कोर्ट में यूपी सरकार ने कहा कि अवैध निर्माण को गिराने की इस कार्रवाई का दंगों से कोई संबंध नहीं हैं। इन्हें अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत गिराया गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश अर्बन प्लानिंग ऐंड डिवेलपमेंट ऐक्ट, 1972 के नियमों का पालन किया गया है।

राजनीतिक संकट के बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोरोना से संक्रमित पाए गए है जिसे वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी HN रिलायंस हॉस्पिटल में भर्ती हुए हैं। बता दें राज्य में महाराष्ट्र सरकार में इन दिनों राजनीति संकट में दिखाई दे रही है। दरअसलस महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार के मंत्री एकनाथ शिंदे ने बागी रुख अपना लिया है। दरअसल, शिंदे के साथ शिवसेना और निर्दलीय मिलाकर 40 विधायक भी हैं, ये सभी लोग इस वक्त असम के

गुवाहाटी में मौजूद हैं। एकनाथ शिंदे समेत सभी बागी विधायकों की मांग है कि शिवसेना, बीजेपी के साथ मिल कर सरकार बनाए।

बिश्नोई की आधी रात को कोर्ट में पेशी, 27 जून तक पुलिस रिमांड बढ़ाई गई

नई दिल्ली। मूसेवाला मर्डर केस के मास्टरमाइंड लॉरेंस विश्नोई का पुलिस रिमांड 5 दिन बढ़ गया है। लॉरेंस अब 27 जून तक पुलिस रिमांड में रहेगा। मंगलवार देर रात उसे मानसा कोर्ट में पेश किया गया। रिमांड मिलने के बाद पंजाब पुलिस उसे मानसा से रात को ही खरड़ स्थित क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी स्टाफ के दफ्तर ले आई है। इससे पहले पहले लॉरेंस विश्नोई का मानसा के सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाया।

दरअसल, पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा जिला अदालत में देर रात करीब 10 बजे पेश किया। पुलिस ने कोर्ट में दलील दी कि कई गैंगस्टरों से लॉरेंस के

उससे पूछताछ में हुए खुलासे को लेकर कोर्ट को बताया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में 10 दिन का रिमांड मांगा था। मगर, कोर्ट से 5 दिन का ही रिमांड मिला।

सामने बिठाकर पूछताछ करनी है। पुलिस रिमांड के दौरान लॉरेंस बिश्नोई को मोहाली के सीआईए स्टाफ के दफ्तर में रखा गया था और यहीं से कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा ले जाया गया। बताया गया कि सुरक्षा कारणों के चलते लॉरेंस बिश्नोई की पेशी रात में ही मानसा कोर्ट के सामने करवाई गई। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई का मानसा अदालत से 10 दिन का रिमांड मांगा था लेकिन मानसा कोर्ट ने 27 जून तक रिमांड दिया गया है। अब 27 जून को लॉरेंस बिश्नोई को मानसा जिला अदालत में एक बार फिर से पेश किया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष की तरफ से यशवंत सिन्हा होंगे उम्मीदवार? ट्वीट से बढ़ी हलचल

पुलिस लॉरेंस को दिल्ली की तिहाड़ जेल से लाई है। पहले मानसा कोर्ट ने उसे 7 दिन के रिमांड पर भेजा गया था। कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस ने 35 पन्नों की रिपोर्ट पेश की। जिसमें हत्याकांड में लॉरेंस की भूमिका के बारे में बताया। उससे पूछताछ में हुए खुलासे को लेकर कोर्ट को बताया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में 10 दिन का रिमांड मांगा था। मगर, कोर्ट से 5 दिन का ही रिमांड मिला।

बता दें कि चंडीगढ़ के पास खरार में अपराध जांच एजेंसी के कार्यालय में पूछताछ के लिए गैंगस्टर को भारी पुलिस सुरक्षा के तहत बुलेट प्रूफ वाहन में लाया गया था। बिश्नोई को दिल्ली से लाए जाने के बाद उसे मानसा की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

महाराष्ट्र के बहाने CM गहलोत ने कांग्रेस को फिर बताई अपनी 'ताकत'

किया दावा- राजस्थान में भी विधायकों को दिया गया था 10-10 करोड़ रुपये का ऑफर

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति के बीच एकबार फिर से कांग्रेस नेतृत्व को अपनी ताकत का अंदाजा लगवाने की कोशिश की है। उन्होंने महाराष्ट्र के परिदृश्य को भाजपा का षड्यंत्र करार देते हुए बड़ा दावा किया है। गहलोत ने कहा है कि करीब दो साल पहले उनके राज्य में कई कांग्रेस विधायकों के बगावत करने के समय उनके साथ मौजूद रहे विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी, लेकिन कोई नहीं गया।

गहलोत ने जुलाई, 2020 में सचिन पायलट और उनके कुछ समर्थक विधायकों की बगावत के मामले का इशारे-इशारे में हवाला दिया और कहा कि उन्होंने ऐसा सुना है कि होटल में रहने के दौरान इन विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये बांट भी दिए गए थे। गहलोत ने कहा, पिछली बार महाराष्ट्र में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी, तबसे ही उनके दिल में ये टीस थी कि कब हम ईडी, सीबीआई और आयकर का उपयोग करें, डराएं-धमकाएं। 2-2 मंत्री (नवाब मलिक और अनिल देशमुख) जेल में बैठे हुए हैं, जमानत तक नहीं होने दी जा रही है। यह देश के अंदर लोकतंत्र को नष्ट करने का षड्यंत्र है।

गहलोत ने कहा, हम जो बार-बार कह रहे हैं कि संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं,

गहलोत ने कहा, पिछली बार महाराष्ट्र में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी, तबसे ही उनके दिल में ये टीस थी कि कब हम ईडी, सीबीआई और आयकर का उपयोग करें, डराएं-धमकाएं। 2-2 मंत्री (नवाब मलिक और अनिल देशमुख) जेल में बैठे हुए हैं, जमानत तक नहीं होने दी जा रही है। यह देश के अंदर लोकतंत्र को नष्ट करने का षड्यंत्र है।

लोकतंत्र खतरे में है, इसका इससे बड़ा प्रमाण क्या होगा कि मध्य प्रदेश की सरकार पर कब्जा कर लिया गया। एक-एक विधायक से 35-35 करोड़ रुपये का सौदे हुआ। गहलोत के अनुसार, सुनते हैं कि होटल में रहने के दौरान राजस्थान के अंदर 10-10 करोड़ रुपये तो बंट चुके थे। बाद में पता नहीं क्या हुआ... मुझे यह कहते हुए गर्व है कि राजस्थान के हमारे विधायक 34 दिन तक मेरे साथ रहे, कुछ नहीं मिला, बाहर निकलते ही पहली किस्त के तौर पर 10 करोड़ रुपये की पेशकश थी, तब भी कोई नहीं गया और अभी राज्यसभा चुनाव के अंदर भी आपने देखा कि तीनों सीटें हमने जीती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार: काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती। - कालिदास

संपादकीय

अग्निपथ क्यों बना कीचड़पथ?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

अग्निपथ को हमारे नेताओं ने कीचड़पथ बना दिया है। सरकार की अग्निपथ योजना पर पक्ष-विपक्ष के नेता कोई गंभीर बहस चलाते, उसमें सुधार के सुझाव देते और उसकी कमजोरियों को दूर करने के उपाय बताते तो माना जाता कि वे अपने नेता होने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं लेकिन सत्तारुढ़ भाजपा के नेता आंख मींचकर अग्निपथ का समर्थन कर रहे हैं और सारे विपक्षी नेता उस पर कीचड़ उछाल रहे हैं। सरकार और फौज अपनी मूल योजना पर रोज ही कुछ न कुछ रियायतों की घोषणा कर रही है ताकि हमारे भावी फौजियों की निराशा दूर हो और उनमें थोड़े उत्साह का संचार हो लेकिन लगभग सभी विपक्षी दलों को यह एक ऐसा मुद्दा मिल गया है, जिसे भुनाने में वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यह तथ्य है कि अग्निपथ योजना के खिलाफ जो जबर्दस्त तोड़-फोड़ देश में हुई है, उसकी पहल स्वत: स्फूर्त थी। उसके पीछे किसी विपक्षी नेता या दल का हाथ नहीं था लेकिन अब आप टीवी चैनलों पर देख सकते हैं कि विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्त्ता और नेता हाथ में अपने झंडे लिए हुए नारे लगाते घूम रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्हें न तो खुद फौज में भर्ती होना है और न ही इनके बच्चों को फौजी नौकरी पाना है। जिन नौजवानों को फौजी नौकरी पाना है, उनका गुस्सा स्वाभाविक था। हर आदमी अपने जीवन में स्थायी सुरक्षा और सुविधा की कामना करता है। कोई भी नौजवान चार साल फौज में बिताने के बाद क्या करेगा, यह प्रश्न उसे विचलित किए बिना नहीं रहेगा। फौज में जाने को ग्रामीण, गरीब और अल्पशिक्षित नौजवान इसलिए भी प्राथमिकता देते हैं कि उन्हें युद्ध तो यदा-कदा लड़ना पड़ता है लेकिन उनका शेष समय पूरी सुविधाओं और सुरक्षा में बीतता है और सेवा-निवृत्त होने पर 30-40 साल तक पेंशन और मुफ्त इलाज आदि की सुविधाएं भी मिलती रहती हैं और वे चाहें तो दूसरी नौकरी भी कर सकते हैं। लेकिन यह परंपरागत व्यवस्था दुनिया के सभी प्रमुख देशों में बदल रही है, क्योंकि फौज में कम उम्र के नौजवानों की ज्यादा जरुरत है। सारी फौज के शस्त्रास्त्रों की खरीद पर जितना पैसा खर्च होता है, उससे ज्यादा पेंशन पर हो जाता है। फौज का आधुनिकीकरण बेहद जरुरी है। सरकार के ये तर्क तो समझ में आते हैं लेकिन कितना अच्छा होता कि अग्निपथ की ज्वाला अचानक भड़काने की बजाय वह इस मुद्दे पर संसद और खबरपालिका में पहले सर्वांगीण बहस करवा देती। अब उसकी इस घोषणा का असर जरुर पड़ेगा कि इस आंदोलन में भाग लेनेवाले जवानों को अग्निपथ की नौकरी नहीं मिलेगी। यह आंदोलन ठप्प भी हो सकता है। लेकिर बेहतर तो यह होता कि फौजी अफसर इस योजना को तुरंत लागू करने की घोषणा करने की बजाय इस पर सांगोपांग बहस होने देते और जो भी उत्तम सुझाव आते, उन्हें स्वीकार कर लिया जाता। अग्निपथ को कीचड़पथ होने से बचाना बहुत जरुरी है।

डॉ. मुखर्जी के सपनों का भारत

(लेखक - शिवप्रकाश)

- व्यर्थ नहीं जाएगा डॉ. मुखर्जी का बलिदान

जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान (झंडा) के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 23 जून को बलिदान दिवस है। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब हम सबके प्रिय नेता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-**A** को समाप्त करने का बिल पारित कराया। इसके बाद ही जम्मू कश्मीर भारत देश का सही मायनों में अभिन्न अंग बना। विशेष राज्य का दर्जा, अलग संविधान, देश के अन्य प्रदेशों के नागरिकों के जम्मू कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता जैसी जिन शर्तों और नियमों के साथ जम्मू कश्मीर को भारत में शामिल किया गया था, डॉ. मुखर्जी प्रारंभ से ही उसके विरोध में थे। उन्होंने इसके लिए बाकायदा जम्मू कश्मीर जाकर अपना विरोध दर्ज कराया। लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। डॉ. मुखर्जी को जम्मू कश्मीर एवं देश की अखंडता के लिए बलिदान देने वाले पहले व्यक्ति के तौर पर जाना गया। इसीलिए देश उनकी पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाता है। भारतीय संविधान के दायरे में आने के बाद से जम्मू कश्मीर की परिस्थितियों में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से सरकारों ने प्रदेश में कृत्रिम सामान्यता बनाये रखी। वास्तविक अर्थों में जम्मू कश्मीर की स्थिति अनुच्छेद 370 के प्रावधानों की समाप्ति के बाद ही सामान्य हुई है। अब जम्मू कश्मीर का सही मायनों में विकास संभव होगा। केंद्र की भाजपा सरकार ने भी राज्य के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता ज़ाहिर की है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने राज्य के लिए 1.42 लाख करोड़ रुपये का बजट संसद से पारित कराया है जिससे जम्मू कश्मीर में विकास के कार्य पिछले वर्षों के मुक़ाबले ज्यादा तेजी से पूरे किये जा सकेंगे। राज्य में अब न केवल रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं बल्कि उद्योग जगत मे निवेश के लिए भी उत्साह दिखा रहा है। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों की समाप्ति के बाद प्रदेश में अब केंद्र के क़रीब 890 क़ानून लागू हो गए हैं। यही नहीं अब प्रदेश के लोग संविधान के तहत मिलने वाले आरक्षण के भी हक़दार हो गए हैं जिनसे उनके लिए विकास और समृद्धि के रास्ते खुले हैं । पर्यटकों की संख्या मे वृद्धि हुई है . पंचायतों को सीधे 2200 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है . स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए 2 नए एम्स, 6 नए मेडिकल कॉलेज, 2 कैंसर संस्थान एवं 15 नर्सिंग कॉलेज का कार्य चल रहा है . युवा, पुलिस एवं अन्य संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं . यूं तो डॉ. मुखर्जी स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही भारत विभाजन के खिलाफ थे और उन्होंने संविधान सभा की बैठकों में भी अपने विचारों को काफी प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया था। लेकिन जम्मू कश्मीर के भारत में विलय को लेकर कांग्रेस नेताओं और तत्कालीन सरकार की सोच के साथ वे कभी एकमत नहीं थे। वे पहले ही दिन से जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान की सीमाओं के अंतर्गत लाने के पक्षधर थे। इसे संघर्ष की सीमा तक ले जाने की शुरुआत अप्रैल 1952 में तब हुई जब जम्मू कश्मीर की प्रजा परिषद पार्टी के नेता पं. प्रेमनाथ डोगरा नई दिल्ली में उनसे मुलाकात करने आए। डोगरा ने डॉ. मुखर्जी से राज्य में चल रहे इस आंदोलन में भाग लेने का आग्रह किया । डॉ. मुखर्जी ने डोगरा को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से मिलकर अपना पक्ष रखने को कहा। लेकिन इसे विडंबना कहें या कांग्रेस की तत्कालीन सरकार का अड़ियल रवैया, डोगरा को अपनी बात रखने के लिए नेहरू से समय ही नहीं मिला। डॉ. मुखर्जी अपने सिद्धांतों को लेकर अटल थे। उन्होंने जम्मू कश्मीर को लेकर अपने विचारों पर कभी समझौता नहीं किया और प्रजा परिषद पार्टी के बुलावे पर अगस्त 1952 में वह जम्मू में एक सभा में शामिल हुए और 'एक देश में दो विधान दो प्रधान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे' का नारा दिया। डॉ. मुखर्जी को केवल जम्मू कश्मीर में भारतीय संविधान लागू करने की नीति के समर्थक के तौर पर ही नहीं देखा जाना चाहिए। शिक्षा, समाज, संस्कृति और राजनीति में भी उनका योगदान बेहद उल्लेखनीय रहा है। उनकी राजनीतिक यात्रा कलकत्ता विश्वविद्यालय क्षेत्र से 1929 में विधान परिषद से प्रारंभ हुई। बंगाल के हितों की रक्षा के लिए वे फजलुल सरकार में वित्त मंत्री रहे। भारत सरकार के उद्योग मंत्री रहते हुए उन्होंने 6 अप्रैल 1948 को उद्योग नीति लागू की। तीन भागों में उद्योगों का विभाजन कर भारत में उद्योगों का विकास उनका प्रयास था। औद्योगिक वित्त विकास निगम की स्थापना, ऑल इंडिया हैंडीक्राफ्ट, ऑल इंडिया हैंडलूम बोर्ड, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, चितरंजन रेलवे कारखाना, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड, दामोदर नदी घाटी बहुउद्देशीय परियोजना सभी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्प के साकार रूप हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी के विभाजन के समय, पाकिस्तान एवं पूर्वी पाकिस्तान पर विफल नीति के विरोध में उद्योग मंत्री से त्यागपत्र देकर वे भारत में आए लाखों शरणार्थियों की सेवा में जुट गए। हमें कांग्रेस के राष्ट्रवादी विकल्प की आवश्यकता है , इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। डॉ0 श्यामा प्रसाद जी जनसंघ के प्रथम अध्यक्ष बने। प्रथम लोकसभा चुनाव में साउथ कोलकाता से संसद सदस्य भी चुने गए। वर्ष 1934 से 1938 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति होने का श्रेय भी उनके ही नाम है। इसी पद पर उन्होंने दो कार्यकाल रहते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय को प्रगति की ऊंचाइयों पर पहुंचाया। ब्रिटिश इंडिया के प्रतीक 'ब्रिटिश मोहर' को बदलकर उस स्थान पर 'खिलते हुए कमल में श्री अंकित' कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह बनाया। उनकी शिक्षा दृष्टि उनके ही शब्दों में 'मैं ऐसे व्यक्ति बनाना चाहता हूं जो नए बंगाल के योग्य नेता बनें।' इसी उद्देश्य से उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय में अनेक नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए। साल 1943 में आए भीषण अकाल में सरकार के निकम्मे एवं द्वेषपूर्ण व्यवहार को समाज के सामने लाते हुए स्वयं सेवा के मैदान में उतर गए । बंगाल रिलीफ कमेटी बनाकर, साथ ही तत्कालीन अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को उन्होंने साथ लेकर यह सेवा कार्य किया। मुफ्त रसोई, निशुल्क अनाज वितरण, सस्ती कैंटीन, अनाज की दुकानें, आवास, वृद्धों एवं बच्चों के लिए दूध एवं दवाइयों का वितरण कमेटी के द्वारा हुआ। देश के विभाजन की त्रासदी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपनी आंखों से देखा था। बंगाल के कलकत्ता, नोआखाली सहित अनेक स्थानों के दंगों में मानवता कराह उठी थी। ग्रेट कलकत्ता के नाम से कुख्यात नरसंहार आज भी लोगों में सिहरन पैदा करता है। समाज का मनोबल बढ़ाने, उचित मार्गदर्शन करने एवं पीड़ित मानवता की सेवा करने के लिए अस्वस्थ होते हुए भी उन्होंने सभी स्थानों का प्रवास किया। भारत के विभाजन के घोर विरोधी होने के बाद भी जब उनको लगा कि यदि हमने बंगाल के विभाजन की बात नहीं की तब संपूर्ण बंगाल ही हमारे हाथ से चला जाएगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वे भारतीय नेताओं के साथ-साथ अंग्रेज अधिकारियों से भी मिले। आज के भारत में, बंगाल उन्हीं के संकल्प का परिणाम है। उनको नव बंगाल का 'शिल्पी' भी कहा जाता है। एकजुट भारत की उनकी इस सोच पर आगे कदम बढ़ाने में हमें 70 वर्ष से भी अधिक का समय लग गया। लेकिन आज माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार डॉ. मुखर्जी की इस सोच को वास्तविकता में बदल रही है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारे के माध्यम से मोदी सरकार देश को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रही है।

खेल की दुनिया में ये कैसी गंदगी!

(लेखक- सोनम लववंशी)

बलात्कार और यौन अपराध समाज के हर क्षेत्र में व्याप्त है। इससे खेल भी अछूते नहीं रहे हैं। खेल संस्थानों में प्रशिक्षण के दौरान यौन उत्पीड़न की शिकायतें वर्तमान दौर में बढ़ती जा रही है। कहने को तो खेलों को एक सुरक्षित क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन यौन उत्पीड़न के बढ़ते मामलों ने खेल के क्षेत्र को भी सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। अभी हाल ही में अंतराष्ट्रीय स्तर की साइकिलिस्ट और महिला नाविक खिलाड़ी के साथ उनके ही कोच द्वारा यौन उत्पीड़न की घटनाओं ने देश को शर्मसार किया है। कोच द्वारा महिला खिलाड़ी को यौन सम्बन्ध नहीं बनाने पर उसका करियर बर्बाद करने की भी धमकी दी गई। यह कोई पहली घटना नहीं जब किसी महिला खिलाड़ी ने यौन अपराध की शिकायत दर्ज कराई हो। राष्ट्रीय स्तर की महिला नाविक ने भी अपने कोच पर जर्मनी यात्रा के दौरान उन्हें असहज महसूस कराने को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। आश्चर्य की बात है कि यह कोच तीन बार का ओलंपियन है और भारतीय नौसेना का कोच है। वहीं दूसरा कोच वायुसेना में अपनी सेवाएं दे चुका है। ऐसे उत्कृष्ट पद पर रहकर जब कोई कोच इस तरह की घटनाएं करता है तो यह कई सवाल खड़े करता है। वर्तमान समय में खेल में बढ़ता यौन अपराध चिंता का विषय बनता जा रहा है। एक महिला को खेल के क्षेत्र में कितना संघर्ष करना पड़ता है। यह किसी से छुपा नहीं है। यहां तक कि घर परिवार के सदस्यों द्वारा भी महिलाओं को खेलने से रोका जाता है। उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ने दिया जाता है। ऐसे में महिलाओं के साथ खेल के क्षेत्र में यौन हिंसा के बढ़ते मामले चिंता का विषय बन सकते है। साल 2020 के आंकड़ों पर नज़र डालें तो पिछले 10 वर्षों में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यौन उत्पीड़न के 45 मामले दर्ज किए है। जिनमे से 29 मामले कोच के खिलाफ यौन उत्पीड़न से जुड़े हुए है। गौर करने वाली बात यह है कि यौन उत्पीड़न के मामलों में कोई ठोस कार्रवाई तक नहीं की जाती है। जिससे भी उत्पीड़न के मामले बढ़ते जा रहे हैं। वर्तमान दौर में लैंगिक असमानता बढ़ रही है। जिसका असर खेलों पर भी साफ देखा जा सकता है। दुनिया भर में खेलो की लोकप्रियता ने खेल कवरेज में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दिया है। बेशक महिला खेल जोखिमों से ग्रस्त है। यहां तक कि स्पोर्ट्स मीडिया भी पुरुष प्रधान है। आंकड़ो की माने तो 90.1 प्रतिशत संपादक और 87.4 प्रतिशत पत्रकार पुरुष है। इसके अलावा टेलीविजन मीडिया की बात करें तो 95 प्रतिशत एंकर व सह एंकर पुरूष हैं। यही वजह है कि महिलाओं को खेलों में पुरूष खिलाड़ियों की तुलना में कम कवरेज़ दिया जाता है।

ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट ने भी खेल के क्षेत्र में बढ़ते यौन शोषण (सेक्सटॉर्शन) पर चिंता व्यक्त की है। भ्रष्टाचार के मामलों पर नजर रखने वाली यह संस्था रोमानिया, जिम्बाब्वे, मेक्सिको व जर्मनी जैसे देशों पर नजर बनाए हुए है। जर्मनी के एथलीटों के बीच किए गए सर्वेक्षण में तीन में से एक मामला यौन शोषण से जुड़ा हुआ पाया गया है। यहां तक कि जिम्नास्टिक व फुटबॉल जैसे खेलों में भी कई हाई प्रोफाइल मामले यौन शोषण से जुड़े हुए है। जबकि अधिकतर मामलों में खिलाड़ी शिकायत तक नहीं करते है। कई बार शिकायत नहीं करने के पीछे करियर बर्बाद होने का डर भी रहता है। खेल के क्षेत्र में यौन शोषण (सेक्सटॉर्शन) के कई हाई प्रोफाइल मामलों ने लोगो का ध्यान भले अपनी और जरूर खींचा है। लेकिन खेल के क्षेत्र में बढ़ते यौन अपराध की प्रमुख वजह शीर्ष स्तर पर महिलाओं की संख्या कम होना है। खेल में लैंगिक असमानता भी किसी से नहीं छिपी है। अधिकतर क्षेत्रों में महिला एथलीटों को कम वेतन दिया जाता है। जिससे खेल के क्षेत्र में उनकी रुचि कम हो जाती है। हालिया टोक्यो (जापान) ओलिम्पिक खेलों की बात करें तो 64 खेलों के कोचों में से सिर्फ 4 खेलों की ही महिला कोच रहीं। खिलाड़ियों द्वारा कोचों के यौन शोषण का शिकार होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण भी यही है कि खेल संस्थानों में महिला कोचों की संख्या बहुत कम है। लिहाजा खेल संस्थानों में सभी स्तरों पर महिला कोचों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। जिससे महिला खिलाडियों की पुरुष कोचों पर निर्भरता कुछ कम की जा सके, वहीं दोषी कोचों के विरुद्ध कठोर दंड दिया जाना चाहिए जिससे यौन अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

आज के कार्टुन

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यद र्शिता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्त्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

सू-दोकू नवताल -2147

	3	9	5	4		8		
							6	
5		8			2	9		4
			3	7			8	
3		5				7		9
	4			9	5			
4		7	1			3		2
	2							
		6		3	7	4	5	

सू-दोकू -2146 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

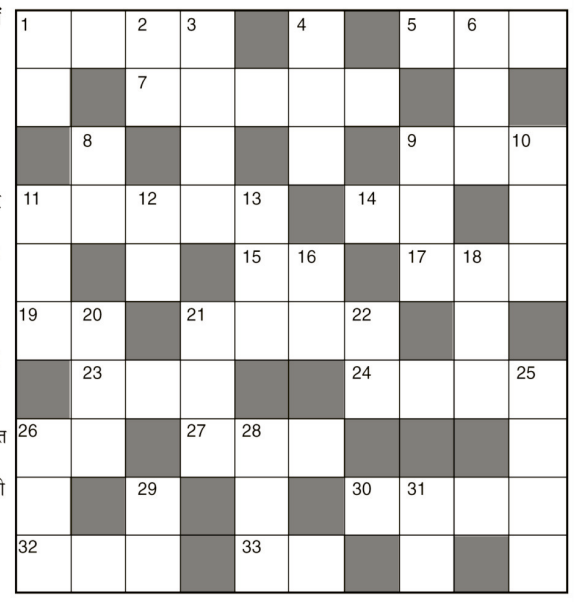

फिल्म वर्ग पहेली-2147

बायें से दायें:-

1. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-2,2
5. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-3
7. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-2,3
9. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-3
11. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-2,3
14. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-2
15. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-2
17. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-3
19. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-2
21. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-4
23. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-3
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-2,2
26. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
27. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-3
30. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-4
32. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-3
33. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-2
2. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-2
3. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-4
4. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-3
6. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-3
8. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
9. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-3
10. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
11. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-3
12. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-2
13. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
18. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-3
20. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-3
21. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-2,1
22.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-2
25. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-4
26. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-3
28. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-3
29. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
31. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2146

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

अप्रैल की घोषणा के बाद से रूस से कोयला नहीं खरीदा : टाटा स्टील

नई दिल्ली । टाटा स्टील के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की पृष्ठभूमि में उसने अप्रैल में रूस के साथ कारोबारी संबंध तोड़ने की घोषणा करने के बाद से पीसीआई कोयले की कोई खरीद नहीं की है। इसक पहले 20 अप्रैल को टाटा स्टील ने कहा था कि वह रूस के साथ कारोबार रोक देगी। हालांकि कारोबार का परिचालन सुचारू रूप से जारी रखने के लिए और रूस पर निर्भरता खत्म करने के लिए कंपनी की भारत, ब्रिटेन और नीदरलैंड स्थित इस्पात विनिर्माण इकाइयों ने वैकल्पिक कच्ची सामग्री की आपूर्ति करवा ली। टाटा स्टील के प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया के कुछ वर्ग में रूस से कोयले की खरीद और आयात से संबंधित गलत जानकारी के मद्देनजर टाटा स्टील स्पष्टीकरण देना चाहती है। दरसअल कंपनी ने मार्च 2022 में 75,000 टन पीसीआई कोयले की आपूर्ति का सौदा किया था और टाटा स्टील की अप्रैल की घोषणा से कुछ सप्ताह पहले ही यह अनुबंध प्रभावी हो गया था। प्रवक्ता ने कहा कि घोषणा के बाद से, टाटा स्टील ने रूस से पीसीआई कोयले की कोई खरीद नहीं की है। एक जिम्मेदार कॉरपोरेट कंपनी होने के नाते हम अपने रूख पर कायम हैं और रहेंगे। इस्पात विनिर्माता पल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन (पीसीआई) का इस्तेमाल ब्लास्ट फर्नेस में करते हैं।

कल्पतरु और उसकी अनुषंगियों को मिले 2,290 करोड़ के नए ऑर्डर

नई दिल्ली । कल्पतरु पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड (केपीटीएल) और उसकी अनुषंगियों को 2,290 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर मिले हैं। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र की इस वैश्विक कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे और उसकी अनुषंगियों को समेकित रूप से 2,290 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर मिले हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले 1,416 करोड़ रुपए के ऊर्जा पारेषण कारोबार के ऑर्डर शामिल हैं। केपीटीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोत ने कहा` कि इससे वैश्विक ईपीसी क्षेत्र में हमारी बाजार स्थिति और बेहतर होगी तथा सिविल, इलेक्ट्रिकल और भारी अवसंरचना कारोबार में हमारी क्षमताएं मजबूत होंगी।

मंदी की आशंका के बावजूद अमेरिकी बाजार में तेजी

मुंबई । मंदी की आशंका के बावजूद अमेरिकी शेयर बाजार में अभी तेजी दिख रही है। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका प्रमुख शेयर बाजार नैस्डेक पर 2.51 फीसदी का जबरदस्त उछाल दिखा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने जुलाई में एक बार फिर ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की वृद्धि का संकेत दिया है, जबकि सितंबर में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी की जा सकती है। इन संकेतों के बावजूद अमेरिकी बाजार आगे बढ़ रहा है। अमेरिका में आई तेजी का यूरोपीय बाजारों पर खासा असर दिख रहा है। यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजार पिछले सत्र में तेजी के साथ बंद हुए। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले कारोबारी सत्र में 0.20 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ, जबकि फ्रांस के शेयर बाजार में 0.45 फीसदी का उछाल आया और लंदन का स्टॉक एक्सचेंज भी 0.75 फीसदी बढ़त बनाकर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

- सेंसेक्स 418.07 अंक टूटा, निफ्टी 15,507 पर

मुंबई ।
एशियाई बाजारों में कमजोर रुख की वजह से बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखी गई। इससे पहले दो दिन तक बाजार में तेजी रही थी। विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली के चलते भी सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 418.07 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 418.07 अंक गिरकर 52,114 पर आ गया, जबकि निफ्टी 131.1 अंक गिरकर 15,507.70 पर था। सेंसेक्स से बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। वहीं दूसरी ओर डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, मारुति सुजुकी इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में कारोबार कर रहे थे। इससे पहले मंगलवार को तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 934.23 अंक चढ़कर 52,532.07 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 288.65 अंक की बढ़त लेकर 15,638.80 अंक पर बंद हुआ था। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग, सियोल और शंघाई के बाजार मध्य सत्र के सौदों में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड 3.20 फीसदी गिरकर 110.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 2,701.21 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

राजस्थान में विनिर्माण संयंत्र की स्थापना करेगी ओकिनावा

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की विनिर्माता ओकिनावा ऑटोटेक ने बुधवार को कहा कि राजस्थान के करौली में एक नए विनिर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए वह 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ओकिनावा ऑटोटेक ने कहा कि 30 एकड़ भूमि पर बनाए जाने वाले कारखाने की सालाना उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाइयों की होगी और वहां अक्टूबर 2023 से परिचालन शुरू हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस संयंत्र से 5,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। यह कंपनी का तीसरा संयंत्र होगा, इसके अलावा दो कारखाने राजस्थान के अलवर में हैं। ओकिनावा ऑटोटेक के संस्थापक तथा प्रबंध निदेशक जितेंद्र शर्मा ने कहा कि बिजली से चलने वाले दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में अग्रणी होने के नाते हम इस क्षेत्र के सामने आ रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बड़े कारखाने में प्रस्तावित अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) सुविधाएं भविष्य के अनुरूप होंगी ताकि हम आगे इस क्षेत्र की मांग को पूरा कर सकें।

छह अरब डॉलर की रुकी सहायता बहाल करने पाक ने आईएमएफ से करार किया

इस्लामाबाद । नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ एक समझौता किया है जिससे उसका रुका हुआ 6 अरब डॉलर का सहायता पैकेज बहाल हो जाएगा और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से वित्तपोषण का रास्ता भी खुल जाएगा। एक खबर में बुधवार को यह जानकारी दी गई। एक अखबार की खबर के अनुसार मंगलवार रात को यह समझौता हुआ। इससे पहले आईएमएफ के स्टाफ मिशन और पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल के नेतृत्व में एक दल ने 2022-23 के बजट पर सहमति को अंतिम रूप दिया। अखबार के अनुसार अधिकारियों ने करों से 43,600 करोड़ रुपए और अर्जित करने तथा पेट्रोलियम पर शुल्क को धीरे-धीरे 50 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ाने का वादा किया था। पाकिस्तान के लिए 6 अरब डॉलर के विस्तृत कोष सुविधा पैकेज पर जुलाई 2019 में 39 महीने के लिए सहमति हुई थी। अभी तक आधा धन ही दिया गया है। पैकेज के बहाल होते ही पाकिस्तान को तत्काल एक अरब डॉलर की राशि मिल सकती है जो उसे उसके कम होते विदेशी मुद्रा भंडार को संभालने के लिए जरूरी है। वित्त मंत्री इस्माइल ने कहा` कि हमने आईएमएफ के साथ परामर्श करके बजट को अंतिम रूप दे दिया है। आईएमएफ के साथ बजट से संबंधित सभी मुद्दों को सुलझा लिया गया है।

पिछले कुछ वक्त में बॉलीवुड फिल्में नहीं वसूल कर पाई निवेश पूंजी

नई दिल्ली। पिछली कुछ तिमाहियों में बहुत कम बॉलीवुड फिल्में कैश काउंटरों में बजने में कामयाब रही हैं। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि, केवल तीन फिल्में द कश्मीर फाइल्स, भूल भुलैया 2 और सूर्यवंशी निवेश की वसूली करने में कामयाब रही हैं। हालिया अंडरपरफॉर्मेंस पूर्व-कोविड समय के विपरीत है, जिसके दौरान 35-40 प्रतिशत नाटकीय रिलीज से उत्पादन लागत को कवर करने में सक्षम थे। हाल ही में बॉलीवुड फिल्मों का प्रदर्शन स्पष्ट रूप से जबरदस्त रहा है, कई मध्यम से उच्च बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर छाप छोड़ने में नाकाम रही हैं। दूसरी ओर, क्षेत्रीय (दक्षिण) फिल्में दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर आकर्षित करने में सफल रही हैं, रिपोर्ट में कहा गया है। बॉलीवुड हमेशा से ही बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन को बनाए रखने का मुख्य आधार रहा है। पूर्व-कोविड, यह कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह का 60 प्रतिशत योगदान देता था। 16 प्री-कोविड क्वार्टरों में से 11 में बॉलीवुड फिल्में भी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में थीं। हालांकि, महामारी के बाद के युग में, समग्र योगदान में काफी गिरावट आई है, क्योंकि बॉलीवुड फिल्में दर्शकों को आकर्षित करने में विफल रहीं। बॉलीवुड फिल्मों का हालिया खराब प्रदर्शन एक प्रासंगिक सवाल खड़ा करता है, क्या यह सिर्फ कमजोर सामग्री है या क्या अन्य बाहरी कारक हैं जैसे सोशल मीडिया का गुस्सा, ओटीटी का उदय या काम पर कुछ और? दूसरे कारक के मामले में, प्रभाव दीर्घकालिक होने की अधिक संभावना है और संभवतः फिल्म प्रदर्शकों की दीर्घकालिक आय में सेंध लग सकती है। हालाँकि, हम मानते हैं कि सामग्री गायब कारक है, क्योंकि कोविड के बाद रिलीज हुई अधिकांश फिल्मों को शुरूआत में आलोचकों से सकारात्मक समीक्षा नहीं मिली, जो कमजोर बॉक्स ऑफिस संग्रह में तब्दील हो गई। हाल ही में रिलीज हुई सम्राट पृथ्वीराज सहित कई बड़े बजट की फिल्मों को कमजोर से मिश्रित समीक्षा मिली। एमके ग्लोबल ने कहा, हमारे विचार में, बॉक्स-ऑफिस संग्रह में गिरावट के पीछे यह प्राथमिक कारणों में से एक है। सुपरस्टारों का दबदबा कम करना, कंटेंट इज किंग, रिपोर्ट में कहा गया है। अतीत में, बड़े सितारे अपनी मजबूत विरासत को देखते हुए दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर आकर्षित करने में सफल रहे हैं। हालाँकि, दर्शकों की बदलती प्राथमिकताओं के परिणामस्वरूप अब सामग्री प्राथमिक फोकस हो गई है। ये बेहद चर्चित सुपरस्टार अब केवल अपने ब्रांड नामों के आधार पर दर्शकों को आकर्षित करने में सक्षम नहीं हैं। अपेक्षाकृत कम ज्ञात स्टार कास्ट वाली छोटी फिल्में लेकिन मजबूत सामग्री दर्शकों को आकर्षित करने में सक्षम रही हैं, जबकि कई बड़े नामों ने अपनी फिल्मों के बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन में गिरावट देखी है। जबकि पिछली कुछ तिमाहियों में कई बॉलीवुड फिल्में बॉक्स ऑफिस पर विफल रही हैं, हम ध्यान दें कि बॉलीवुड फिल्मों की रिलीज की संख्या भी पूर्व-कोविड स्तरों से काफी नीचे थी। बॉलीवुड फिल्म रिलीज की संख्या, जो 2019 में तमिल और तेलुगु फिल्मों की संख्या के बराबर हुआ करती थी, 2021 में अपने क्षेत्रीय समकक्षों से पीछे रह गई। बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन के लिए बॉलीवुड के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि, इसने महामारी से पहले की 16 तिमाहियों में कुल कलेक्शन में औसतन 60 प्रतिशत का योगदान दिया।

स्टील पर निर्यात शुल्क वापस लेने के पक्ष में नहीं है वित्त मंत्रालय

- निर्यात शुल्क लगने के बाद स्टील के दामों में तेजी से गिरावट आई

नई दिल्ली ।
स्टील पर लगने वाले निर्यात शुल्क को वित्त मंत्रालय वापस लेने के पक्ष में नहीं है। स्टील निर्यात करने वाली कंपनियों ने हाल ही में मंत्रालय से निर्यात शुल्क हटाने की गुजारिश की है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद स्टील के दाम में भारी तेजी आ गई थी जिसे देखते हुए सरकार ने स्टील के निर्यात पर 15 प्रतिशत का शुल्क लगा दिया था ताकि घरेलू स्तर के छोटे उद्यमियों को राहत मिल सके। अप्रैल में स्टील की कीमत 78,000 रुपए प्रति टन के स्तर को पार कर गई थी। निर्यात शुल्क लगने के बाद स्टील के दामों में तेजी से गिरावट आई है और अभी इसकी कीमत 62,000-64,000 रुपए प्रति टन के स्तर पर है। इंडियन स्टील एसोसिएशन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से स्टील निर्यात पर लगने वाले शुल्क को हटाने के साथ 20 लाख टन स्टील बिना शुल्क निर्यात करने की इजाजत देने की मांग की है। एसोसिएशन के मुताबिक निर्यात शुल्क लगाए जाने से पहले 20 लाख टन स्टील निर्यात के लिए लेटर आफ क्रेडिट जारी किया जा चुका था। एसोसिएशन का यह भी कहना है कि भारत की तरफ से निर्यात शुल्क लगाने का फायदा चीन को मिल सकता है। सरकार ने स्टील के निर्यात के साथ इसके कच्चे माल लौह अयस्क के निर्यात पर भी 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगा दिया है। 2021-22 में स्टील निर्यात में पूर्व के वित्त वर्ष के मुकाबले 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार के फैसले से स्टील निर्यात जरूर प्रभावित हुआ है, लेकिन घरेलू स्तर पर अपने उत्पादन में स्टील को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करने वाले छोटे उद्यमियों को बड़ी राहत मिली है। सेकेंडरी स्टील बनाने वाले उद्यमियों ने बताया कि स्टील के दाम कम होने से ग्रामीण इलाकों से मांग निकलने लगी है। वहीं आटो और घरों में इस्तेमाल होने वाले कई आइटम की लागत भी कम होगी।

पीवीआर ने 4के लेजर प्रोजेक्शन के लिए सिनियोनिक से किया करार

नई दिल्ली । मल्टीप्लेक्स श्रंखला का संचालन करने वाली फर्म पीवीआर ने अपने 500 स्क्रीन को बार्को सीरीज 4 4के लेजर प्रोजेक्शन से लैस करने के लिए लेजर सिनेमा समाधान प्रदाता सिनियोनिक के साथ एक समझौता किया है। जारी किए गए एक संयुक्त बयान में इस समझौते की जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, सिनियोनिक की बार्को सीरीज 4 अगली पीढ़ी की 4के लेजर प्रोजेक्शन तकनीक है जिसमें रंगों की उच्च गुणवत्ता उभरकर सामने आती है। पीवीआर ने कहा कि उसके नए एवं मौजूदा स्क्रीन को 4के लेजर प्रोजेक्शन से लैस करने के बाद वह भारत की पहली प्रदर्शनी श्रंखला बन जाएगी जो शत-प्रतिशत 4के आरजीबी लेजर प्रोजेक्शन वाली होगी। पीवीआर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय बिजली ने कहा` कि बार्को सीरीज 4 4के आरजीबी लेजर प्रोजेक्टर उत्सर्जन कम करने और एक स्थायी भविष्य के लिए ऊर्जा संरक्षित करने के मकसद से किया गया एक टिकाऊ निवेश है। पीवीआर 75 शहरों में कुल 858 फिल्म स्क्रीन संचालित करती है।

जीई स्टीम पावर ने भेल के साथ परमाणु भाप टर्बाइन के लिए किया करार

- 14 करोड़ घरों को बिजली की आपूर्ति होगी

नई दिल्ली ।
ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जीई स्टीम पावर ने सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग फर्म भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के साथ एक बड़ी डील की है। यह समझौता तीन परमाणु भाप टर्बाइनों की आपूर्ति के लिए हुआ है। कंपनी ने कहा कि सौदे की राशि 16.5 करोड़ डॉलर (1288 करोड़ रुपए) है। कंपनी ने कहा कि जीई स्टीम पावर ने न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ` लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के घरेलू परमाणु कार्यक्रम के पहले चरण के लिए छह इकाइयों में से तीन परमाणु भाप टर्बाइनों की आपूर्ति के लिए भेल के साथ 16.5 करोड़ डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। ये इकाइयां गोरखपुर, हरियाणा और कर्नाटक में विकसित की जा रही हैं । बयान में कहा गया कि इस घरेलू कार्यक्रम में एनपीसीआईएल द्वारा विकसित की जा रही 700 मेगावाट क्षमता की 12 इकाइयां शामिल है, जो अपनी परमाणु रिएक्टर यानी प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) के साथ विकसित की जा रही है। कुल मिलाकर इससे 8.4 गीगावाट कार्बन डाई आक्साइड मुक्त बिजली का उत्पादन होगा, जिससे 14 करोड़ घरों को बिजली मिल सकेगी। जीई और भेल ने 2018 में एक व्यापार सहयोग समझौते और एक लाइसेंस एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे ताकि वें 700 मेगावाट क्षमता के परमाणु भार टर्बाइनों का विनिर्माण कर सकें । अब इस समझौते ते तहत ये नई डील हुई है। जीई स्टीम पावर ने कहा` कि परमाणु ऊर्जा एक महत्वपूर्ण और कार्बन मुक्त बिजली के सबसे भरोसेमंद स्रोतों में से एक है। यह बिना किसी रुकावट के चौबीसों घंटे ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करती है। हमें बीएचईएल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। हम विश्वसनीय और निम्न कार्बन ऊर्जा भविष्य के लिए एनपीसीआईएल और भारत का समर्थन करना जारी रखेंगे। जरूरी सुविधाओं से लैस हमारे पास साणंद अपना प्लांट है। इसके पास भारत के घरेलू कार्यक्रम की परमाणु आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।

एचडीएफसी बैंक की हर साल 2000 नई शाखाएं खोलने की योजना

नई दिल्ली ।
निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी ने हर साल डेढ़ से दो हजार नए शाखाएं खोलने की योजना बनाई है। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने वित्तवर्ष 2021-22 की वित्तीय रिपोर्ट जारी कर बताया कि अगले तीन से पांच साल में करीब 10 हजार नए ब्रांच खोलने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में ही देशभर में 1,500 से 2,000 नए ब्रांच खोले जाने हैं और यह क्रम अगले तीन से पांच साल तक चलेगा। साथ ही हम हर तीन सप्ताह में एक नया फीचर भी लाने की तैयारी कर रहे हैं। ये ब्रांच डिजिटल होंगे, जहां कस्टमर को लेनदेन और अन्य सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। ये ब्रांच साइज में छोटे होंगे और अपने ग्राहकों तक फिजिकल पहुंच बनाने में मददगार साबित होंगे। देश में निजी क्षेत्र के इस सबसे बड़े बैंक के पास मार्च तक 21,683 बैंकिंग आउटलेट और 6,342 बैंक शाखाएं हैं, जिसमें से चार विदेशों में स्थित हैं। बैंक के देशभर में कुल 18,130 एटीएम और कैश डिपॉजिट मशीनें हैं। इसके अलावा बैंक ने 15,341 बिजनेस करेसपॉन्डेंट भी बना रखे हैं, जो इसके नेटवर्क को और मजबूती प्रदान करते हैं। बैंक के अनुसार, मार्च के आखिर तक सालाना आधार पर उसके जमा और लोन बुक में बड़ा इजाफा हुआ है। बीते वित्तवर्ष की समाप्ति तक बैंक का कुल जमा 15.59 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो इससे पहले के वित्तवर्ष के मुकाबले 17 फीसदी अधिक है । इसमें चालू और बचत खाते की हिस्सेदारी 48 फीसदी है। बैंक का लोन बुक भी एक साल पहले के मुकाबले 21 फीसदी बढ़कर 13.68 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है।

अमेरिका अर्थव्यवस्था 2022 के आखिर तक आ सकती है मंदी की चपेट में: नोमुरा

नोमुरा ने कहा, मुख्य वजह फेडरल रिजर्व द्वारा कीमतों को कम करने के लिए लगातार दरें बढ़ाना है

वाशिंगटन ।
अमेरिकी अर्थव्यवस्था के 2022 के ओ खिर तक हल्की मंदी की चपेट में आने की आशंका है। इसकी मुख्य वजह फेडरल रिजर्व द्वारा कीमतों को कम करने के लिए लगातार दरें बढ़ाना है। नोमुरा होल्डिंग्स इंक के अर्थशास्त्रियों के यह अनुमान व्यक्त किया है। नोमुरा के अर्थशास्त्री आइची अमेमिया और रॉबर्ट डेंट ने 20 जून को एक नोट में लिखा` कि धीमी विकास गति और महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फेड के रेट हाइक को देखते हुए, हमारा मानना है कि 2022 की चौथी तिमाही में शुरू होने वाली हल्की मंदी के आने की अब अधिक संभावना है। नोमुरा ने चेतावनी दी है कि वित्तीय स्थिति और सख्त हो जाएगी। कंज्यूमर सेंटीमेंट डाउन हो रहा है और खराब हो चुकी एनर्जी व फूड सप्लाई स्थिति को और खराब कर रही है। ग्लोबल ग्रोथ आउटलुक बिगड़ गया है। नोमुरा विश्लेषकों ने अपने नोट में लिखा है कि 2022 तक मासिक मुद्रास्फीति के ऊंचे रहने की संभावना है। हमारा मानना है कि मंदी के लिए फेड की प्रतिक्रिया शुरू में मौन होगी। वे उम्मीद करते हैं कि चल रही रेट हाइक 2023 में भी जारी रहेगी। मार्च में 3.75-4.00 प्रतिशत के पिछले पूर्वानुमान की तुलना में फरवरी में ब्याज दर 3.50-3.75 प्रतिशत पहुंच गई। नोमुरा ने वास्तविक जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है । इस साल के लिए पिछला अनुमान 2.5 के मुकाबले एजेंसी ने 1.8 फीसदी का ग्रोथ अनुमान दिया है। साथ ही अगले साल के विकास अनुमान को भी एक फीसदी घटा दिया है। फाइनेंशियल सर्विस कंपनी के मुताबिक हाई इंफ्लेशन और फेड का रेट हाइक मंदी के लिए सबसे सबसे बड़े कारण हैं। अमेरिकी फेडर रिजर्व का रूख नवंबर 2021 के बाद से ही आक्रामक रहा है। इसके बावजूद मुद्रास्फीति का दबाव कम नहीं हुआ बल्कि और बढ़ गया। इस परिस्थिति में नोमुरा के विश्लेषकों का मानना है कि कीमतों पर लगाम लगाने के लिए फेड द्वारा मांग को कम आपूर्ति के साथ व्यवस्थित करने का प्रयास अर्थव्यवस्था को एक हल्की मंदी में ले जाएगा।

इस बार 20 साल में सबसे कम हुआ गेहूं का उत्पादन

नई दिल्ली ।
बढ़ती महंगाई के बीच भीषण गर्मी ने गेहूं उत्पादन को काफी प्रभो वित` किया है। इस साल देश में 20 साल में सबसे कम गेहूं उत्पादन हुआ है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गेहूं उत्पादन होता है, लेकिन इन राज्यों में भी गर्मी का प्रकोप रहा। फसल कटाई के बाद जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इन तीनों राज्यों में गेहूं उत्पादन में दो दशक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। दरअसल, मार्च में ही कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया था। इससे पंजाब में खेतों में पकने वाले गेहूं के डंठल का रंग सुनहरे पीले से बदलकर भूरा हो गया, जो फसल खराब होने का संकेत है। यह नुकसान 2010 और 2019 से भी बड़ा है। 2010 में भी इस साल की तरह देश भीषण गर्मी और लू की चपेट में था, जिससे गेहूं उत्पादन प्रभावित हुआ था। हालांकि, 2019 में गर्मी और लू का प्रकोप कम था, फिर भी फसल को नुकसान हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि गेहूं जैसी मुख्य फसल पर मौसम की मार दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा पर जोखिम का संकेत है। गेहूं उत्पादन वाले इलाके भौगोलिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। जल्द कोई उपाय नहीं किए गए तो गर्मी और बढ़ेगी।

पंजाब में गेहूं की पैदावार प्रति हेक्टेयर 20 फीसदी कम होकर 43 क्विंटल रह गई है। यह 2010 के 8 फीसदी की गिरावट से भी ज्यादा है। बठिंडा और मानसा में सबसे अधिक 30 फीसदी गिरावट आई है। वहीं उत्तर प्रदेश पंजाब की तरह इस बड़े उत्पादन राज्य में भी फसल की पैदावार 18 फीसदी घटी है। हरियाणा में गेहूं के उत्पादन में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है। उक्त तीनों राज्यों में पैदावार कम होने कारण कृषि मंत्रालय ने उत्पादन के शुरुआती अनुमान को 11.13 करोड़ टन से 5 फीसदी घटाकर 10.64 करोड़ टन कर दिया है। वास्तविक आंकड़ा इससे भी कम हो सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की राहें होंगी मुश्किल

विराट कोहली, आर अश्विन सहित कई खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

मुबई (एजेंसी)।

1-5 जुलाई से बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट के लिए भारत ने अपनी कमर कस रखी थी लेकिन अब लग रहा है कि जीत की राह के बीच कोरोना वायरस आ रहा है। भारत से यूके पहुंचने के बाद कई खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट हुआ जिसके कई स्टार खिलाड़ियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद अपने दस्ते के साथ यूके की यात्रा करने से इनकार कर दिया है, टीओआई की साइट पर छपी खबर से पता चला है कि भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी पिछले हफ्ते टीम के लंदन आने के बाद कोविड -19 से संक्रमित थे लेकिन अब भारत के पूर्व कप्तान वायरस से पूरी तरह उबर चुके हैं। हालांकि स्थिति ने लीसेस्टरशायर के खिलाफ टीम के अभ्यास टेस्ट को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा, हां मालदीव में छुट्टियां मनाकर लौटने के बाद विराट भी कोविड की चपेट में आ गए थे, लेकिन अब वह ठीक हो गए हैं। अब इसका मतलब है कि 24 जून से लीसेस्टरशायर के खिलाफ भारत का दौरा खेल उतना तीव्र नहीं होगा जितना कि कोच राहुल द्रविड़ चाहते थे, क्योंकि चिकित्सा सलाह खिलाड़ियों को कोविड - 19 का सामना करने के बाद ओवरलोड नहीं करना है। टीम में और अधिक कोविड मामले हो सकते हैं।

विराट कोहली ने इंग्लैंड बनाम भारत 2021 टेस्ट सीरीज़ को पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में पूरा किया। भले ही भारतीय कप्तान को पहले दो टेस्ट में बल्लेबाजी कम करनी पड़ी, लेकिन तीसरे और चौथे में उनकी कुछ मजबूत पारियां थीं। 32 वर्षीय एथलीट ने 7 पारियों में 31.14 की औसत से 218 रन बनाए। सीरीज में दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दो अर्धशतक भी जड़े।

ज्योति सुरेखा वेनाम की शानदार वापसी, क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहीं

पेरिस (एजेंसी)।

7 महीने से अधिक समय बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही स्टार कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनाम विश्व कप चरण तीन के क्वालीफिकेशन दौर में दूसरे स्थान पर रहते हुए भारतीय तीरंदाजों के बीच शीर्ष पर रहीं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रही विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 712 अंक जुटाए और ग्रेट ब्रिटेन की इला गिब्सन के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। ज्योति के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम तीसरे स्थान पर रही।

मिश्रित टीम भी तीसरे स्थान पर रहीं जहां ज्योति पुरुष कंपाउंड तीरंदाज अभिषेक वर्मा के साथ जोड़ी बनाएंगी। एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता वर्मा भारतीय पुरुष तीरंदाजों के बीच शीर्ष पर रहे। उन्होंने क्वालीफिकेशन में छठा स्थान हासिल किया जबकि भारतीय पुरुष टीम को चौथी वरीयता मिली। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति को इस साल मार्च में राष्ट्रीय ट्रायल के बाद एशियाई खेलों की टीम और विश्व कप के पहले तीन चरण की टीम में जगह नहीं मिली थी। एशियाई खेलों के स्थगित होने के बाद भारतीय तीरंदाजी संघ ने विश्व कप चरण तीन के लिए दोबारा ट्रायल कराने का फैसला किया जिसके बाद ज्योति ने टीम में वापसी की। अब सभी की नजरें दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी दीपिका कुमारी पर टिकी हैं जो बुधवार को रिकर्व क्वालीफिकेशन दौर में हिस्सा लेंगी। दीपिका भी पिछले साल हुए तोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रही हैं।

मिताली राज के बाद भारतीय ऑल राउंडर रूमेली धर ने भी किया संन्यास का ऐलान

बेंगलूरू। (एजेंसी)।

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रूमेली धर ने बुधवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। दाएं हाथ की बल्लेबाज और तेज गेंदबाज रूमेली ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने फैसले की घोषणा की। रूमेली ने अपनी पोस्ट में कहा, ''पश्चिम बंगाल के श्यामनगर से शुरू हुआ क्रिकेट का मेरा 23 साल का सफर अंततः खत्म हो रहा है, मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करती हूं।'' रूमेली ने चार महिला टेस्ट में एक अर्धशतक की मदद से 236 रन बनाए।

नयी दिल्ली में 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण करने वाली 38 साल की रूमेली ने आठ टेस्ट विकेट चटकाए। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ ही खेला था। रूमेली ने 78 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 961 रन बनाने के अलावा 63 विकेट झटके। उन्होंने 2003 में इंग्लैंड के खिलाफ लिंकन में पदार्पण करने के बाद छह अर्धशतक जड़े। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2012 में खेला था। बंगाल सहित अन्य घरेलू टीम की ओर से खेलने वाली रूमेली ने 18 टी20 मुकाबले भी खेले जिसमें उन्होंने 131 रन बनाने के अलावा 13 विकेट भी चटकाए। उन्होंने 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया। रूमेली ने 2018 में 34 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 टीम में वापसी की और उसी साल ब्रेबोर्न स्टेडियम में आस्ट्रेलिया की महिला टीम के खिलाफ अपना अंतिम टी20 मैच खेला। रूमेली 2005 में दक्षिण अफ्रीका में महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम की सदस्य भी थीं।

पहले टी20 में नई कप्तान की अगुआई में श्रीलंका के खिलाफ नई शुरुआत करने उतरेगा भारत

दुबई (एजेंसी)।

दाम्बुला।भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार से यहां श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सभी प्रारूपों की नई कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुआई में नई शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। बर्मिंघम में आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट के टी20 प्रारूप को शामिल किया गया है जबकि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप भी आठ महीने दूर है और ऐसे में भारतीय टीम अपने अभियान की ठोस शुरुआत करना चाहेगी। यह महिला एकदिवसीय विश्व कप 2022 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है।

दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज के संन्यास लेने के बाद यह भारतीय टीम की पहली प्रतियोगिता है। मिताली ने 23 साल के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद क्रिकेट को अलविदा कहा। निजी तौर पर कप्तान हरमनप्रीत की नजरें मिताली को पीछे छोड़ने पर टिकी होंगी। तैंतीस साल की मिताली ने 121 मैच में 2319 रन बनाए हैं और उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप में मिताली को पीछे छोड़ने के लिए 46 रन की दरकार है। मेजबान श्रीलंका हालांकि श्रृंखला की शुरुआत बैकफुट पर करेगा क्योंकि टीम को हाल में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 0-3 से वाइटवाश का सामना करना पड़ा। भारत को हालांकि ओशादी रणसिंघे और चामरी अटापट्टू जैसी श्रीलंका की अनुभवी खिलाड़ियों से सतर्क रहना होगा। भारत ने पिछली टी20 मुकाबला इस साल फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था जिसमें टीम को 18 रन से हार का सामना करना पड़ा।

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत को मंधाना, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार से काफी उम्मीदें होंगी। मौजूदा फॉर्म और विश्व रैंकिंग को देखते हुए भारत निश्चित तौर पर श्रृंखला की शुरुआत प्रबल दावेदार के रूप में करेगा और मेहमान टीम को हराने के लिए श्रीलंका को अपने खेल में काफी सुधार करना होगा। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के बाद इतने ही मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला भी होगी जिसके मुकाबले पाल्लेकल में एक, चार और सात जुलाई को होंगे।

टीम इस प्रकार है

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, सिमरन बहादुर, यस्तिका भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, ऋचा घोष, साभिनेनी मेघना, मेघना सिंह, पूनम यादव, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव।

श्रीलंका: चामरी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षी डिसिल्वा, कविशा दिलहारी, विशमी गुणरत्ने, अमा कंचना, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, हर्षिता मादवी, हसिनी परेरा, उदेशिका प्रबोधनी, ओशादी रणसिंघे, सत्य संदीपनी, अनुष्का संजीवनी, मालशा शेहानी, थारिका सेवंडी।

समय: मैच भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजे शुरू होगा।

बायर्न म्यूनिख ने सेनेगल स्टार सादियो माने से किया करार

म्यूनिख। बायर्न म्यूनिख ने लिवरपूल से सेनेगल के फारवर्ड सादियो माने के अनुबंध की औपचारिकता पूरी की। क्लब ने कहा कि 30 साल के सादियो माने ने जून 2025 तक बायर्न म्यूनिख से करार किया है। बायर्न म्यूनिख के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर कान ने कहा कि दुनिया में उनके जैसे खिलाड़ी काफी कम हैं। हमें पूरा भरोसा है कि सादियो माने आगामी वर्षों में अपने खेल से हमारे दर्शकों के चेहरे पर खुशियां लाएंगे। इस करार की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने पिछले शुक्रवार को एसोसिएटिड प्रेस से बताया था कि यह अनुबंध 4.10 करोड़ यूरो का है।

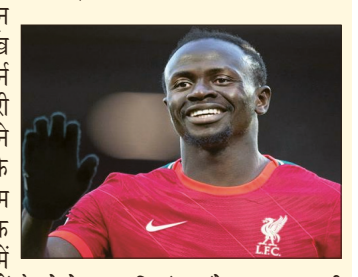

मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकरार, झूलन खिसकी

दुबई। भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को जारी नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में आठवें स्थान पर बरकरार हैं जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को गेंदबाजों की सूची में एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। इस साल नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 411 रन बनाने वाली 25 साल की मंधाना बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। मंधाना ने विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक भी जड़ा था। बल्लेबाजी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर हैं जबकि उनके बाद इंग्लैंड की नताली स्कीवर का नंबर आता है। झूलन गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर हैं। झूलन ने इस साल अब तक नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 12 विकेट चटकाए हैं। झूलन को दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने पछाड़ा जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपनी टीम के क्लीन स्वीप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और दक्षिण अफ्रीका की जेन जोनासेन गेंदबाजों की सूची में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। आलराउंडरों की सूची में भारत की दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर बनी हुई हैं।

रणजी फाइनल 2022 : यशस्वी जायसवाल चौथे शतक से चूके, मुंबई 248/5

बेंगलुरू (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के सामने सितारे खिलाड़ियों से सजी मुंबई की टीम रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बुधवार को यहां पहली पारी में 5 विकेट पर 248 रन ही बना सकी। कप्तान पृथ्वी साव (79 गेंद में 47 रन) और यशस्वी जायसवाल (163 गेंद में 78 रन) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े लेकिन मुंबई की टीम उस पिच पर अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही जहां शॉट खेलना आसान नहीं है।

पहली पारी में 400 से अधिक रन बनाने की मुंबई की उम्मीद अब सत्र के सबसे सफल बल्लेबाज सरफराज खान पर टिकी हैं जो दिन का खेल खत्म होने पर 125 गेंद में 40 रन बनाकर खेल रहे थे। दूसरे छोर पर शम्स मुलानी 43 गेंद में 12 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं।

बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने 31 ओवर गेंदबाजी की और इस दौरान 91 रन देकर एक विकेट चटकाया। तेज गेंदबाज गौरव यादव (25 ओवर में बिना विकेट के 68 रन) ने मुंबई के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया लेकिन विकेट उनके खाते में नहीं गया। तेज गेंदबाज अनुभव अग्रवाल ने 56 रन देकर दो जबकि आफ स्पिनर सारांश जैन ने 31 रन देकर दो विकेट चटकाए।

पृथ्वी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और फिर जायसवाल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मध्य प्रदेश ने कार्तिकेय के साथ गेंदबाजी का आगाज किया लेकिन

जायसवाल और पृथ्वी दोनों ने बाएं हाथ के इस स्पिनर पर छक्के जड़े। दोनों तेज गेंदबाजों अनुभव और गौरव को आसमान में छाए बादलों के बीच हवा में मूवमेंट मिली। दोनों ने पिच से भी गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराया।

दिन का सर्वश्रेष्ठ ओवर मुंबई की पारी का 12वां ओवर था जिसमें गौरव ने 6 गेंद में 5 बार पृथ्वी को काफी परेशान किया। उन्होंने पहले अंदर आती हुई गेंद और फिर आउट स्विंग से मुंबई के कप्तान को मुश्किलों में डाला। दूसरी तरफ जायसवाल ने पहले 30 रन 52 गेंद में बनाए और फिर पिच को भांपते हुए अधिक सतर्क होकर बल्लेबाजी की। उन्होंने अगले 48 रन 111 गेंद में बनाए। मध्य प्रदेश को पहली सफलता लंच से कुछ मिनट पहले मिली जब अनुभव की गेंद को पृथ्वी विकेटों पर खेल गए।

अरमान जाफर 56 गेंद में 26 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में दिखे लेकिन कार्तिकेय की उछाल लेती गेंद पर शॉर्ट मिडविकेट पर यश दुबे को कैच थमा बैठे। दूसरे सत्र में पिच काफी धीमी हो गई। सुवेद पारकर (18) ने सारांश की गेंद पर विरोधी कप्तान आदित्य श्रीवास्तव को कैच थमाया।

जायसवाल अपने सत्र के चौथे शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन अनुभव की गेंद पर स्क्वायर कट खेलने की कोशिश में गली में दुबे को कैच दे बैठे। सारांश ने इसके बाद हार्दिक तमोरे (24) को पहली स्लिप में रजत पाटीदार के हाथों कैच कराके मुंबई को पांचवां झटका दिया।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने जीत के साथ वापसी की

ईस्टबोर्न (इंग्लैंड)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने विंबलडन के अभ्यास टूर्नामेंट ईस्टबोर्न में महिला युगल का मैच जीतकर एक साल बाद कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेरेना ने जब कोर्ट पर कदम रखा तो दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इसके डेढ़ घंटे बाद दर्शकों ने 23 बार की ग्रैंडस्लैम एकल विजेता की जीत का जश्न मनाया। सेरेना ने अपनी जोड़ीदार ओंस जाबूर के साथ मिलकर महिला युगल के पहले दौर में पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करके सारा सोरिब्स टोरमो और मैरी बुजकोवा को 2-6, 6-3, 13-11 से हराया। इस जीत का मतलब है कि विंबलडन में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली सेरेना को इससे पहले कम से कम एक और प्रतिस्पर्धी मैच खेलने को मिलेगा। विंबलडन सोमवार से शुरू होगा। सेरेना पिछले साल आखिरी बार इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में ही खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका करेगा पहले एफआईएच हॉकी पुरुष नेशन्स कप की मेजबानी

लुसाने । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने दक्षिण अफ्रीका को पहले एफआईएच हॉकी पुरुष नेशन्स कप की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी है। यह आयोजन 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक पॉचेफस्ट्रूम की नॉर्थवेस्ट यूनिवर्सिटी में होगा। इससे पहले यह यूनिवर्सिटी इस साल हुए एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप की मेजबानी भी कर चुकी है। एफआईएच हॉकी नेशन्स कप में जीतने वाली टीम के पास 2023-24 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में खेलने का मौका होगा। इस आयोजन में दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, कनाडा, जापान, कोरिया, आयरलैंड, पाकिस्तान और मलेशिया सहित 8 टीमें हिस्सा लेंगी। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थीयरी बेल ने कहा कि मैं एफआईएच की ओर से दक्षिण अफ्रीका हॉकी एसोसिएशन को एफआईएच हॉकी पुरुष नेशन्स कप की मेजबानी करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। सभी ने देखा कि अफ्रीकी जमीन पर आयोजित हुआ पहला एफआईएच विश्व कप, हॉकी महिला जूनियर विश्व कप कितना सफल रहा था। हम पॉचेफस्ट्रूम जाने के लिए बेहद उत्सुक हैं। उल्लेखनीय है कि पहले एफआईएच हॉकी महिला नेशन्स कप का आयोजन स्पेन के वैलेंसिया में इसी साल 11 से 17 दिसंबर के बीच होगा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : दिनेश कार्तिक ने 108 पायदान की छलांग लगायी, किशन टॉप 10 में

दुबई।(एजेंसी)।

अनुभवी दिनेश कार्तिक हाल में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत ताजा जारी आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 108 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर 87वें स्थान पर पहुंच गये जबकि युवा सलामी बल्लेबाज इशान किशन शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। किशन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में दो अर्धशतक जड़े थे और उन्होंने 41 के औसत से कुल 206 रन बनाये थे। इस फॉर्म को बदौलत बायें हाथ के क्रिकेटर को बल्लेबाजों की ताजा जारी टी20 रैंकिंग में एक पायदान के फायदा हुआ और वह छठे स्थान पर पहुंच गये हैं।

कार्तिक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पाचवें सत्र से ही शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में कुछ तेजतर्रार पारियां खेलीं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम अभी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज है और किशन शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में युजवेंद्र चहल ने सबसे लंबी छलांग लगायी है। इस भारतीय स्पिनर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दौरान छह विकेट की बदौलत तीन पायदान के फायदे से 23वां स्थान हासिल किया।

जोश हेजलवुड टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान (संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर) और श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसारंगा (छठे) दोनों एक एक पायदान के फायदे से शीर्ष 10 में पहुंच गये। रविंद्र जडेजा ने 385 रेटिंग अंक से टेस्ट आल राउंडर सूची में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है। वह इस समय भारत के इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच के लिये ब्रिटेन में हैं जो पिछले साल पांच मैचों की श्रृंखला का मैच है जो कोविड-19 के कारण पूरा नहीं हो सका था। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन 346 रेटिंग अंक से दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली (742) टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में 10वें स्थान पर बने हुए हैं जबकि अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (850) और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (830) गेंदबाजों की सूची में क्रमशः दूसरे

और तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच भी बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बूते गेंदबाजों की सूची में चार पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस टेस्ट गेंदबाजों की सूची में 901 रेटिंग अंक से शीर्ष पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्प्ल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

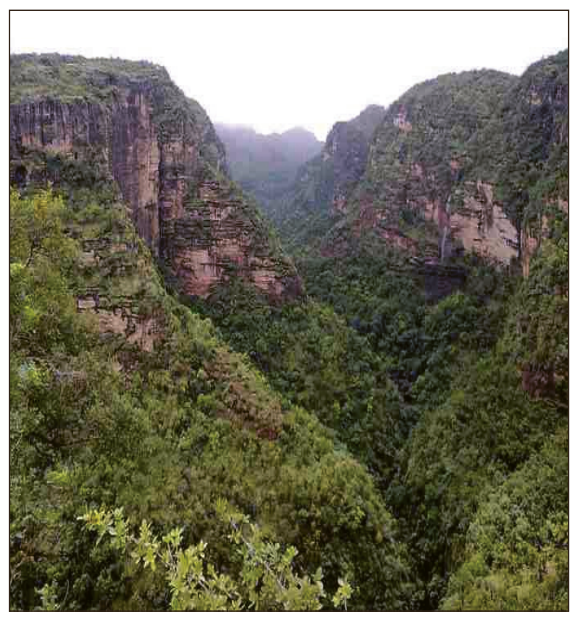

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ममता बनर्जी को तोहफे में भेजे आम

कोलकाता। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीते दिनों की ''आम-हिल्सा-कूटनीति'' को जारी रखते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छह सौ किलोग्राम आम उपहार में भेजे हैं। बांग्लादेश के उच्चायोग के मुताबिक, हसीना ने पिछले सप्ताह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी उपहार में आम भेजे थे।

उच्चायोग के एक अधिकारी ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र के कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों को भी इसी तरह के उपहार भेजे जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री हसीना ने पिछले साल भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम के मुख्यमंत्रियों को तोहफे में आम भेजे थे। यह बांग्लादेश में इस रसीले फल का चरम ऋतु है। हसीना ने राजशाही से कई किस्मों के आम जैसे गोलपखास और आम्रपाली को उपहार में भेजे हैं। अधिकारी ने बताया, ''आम सोमवार को बनर्जी के आधिकारिक आवास पर भेजे गए थे। पिछले साल भी हमने आम भेजे थे। कई बार हम हिल्सा मछली भी भेजते हैं। यह सब ''आम-हिल्सा कूटनीति'' का हिस्सा है।

भूकंप के जोरदार झटकों से कांपा अफगानिस्तान, अब तक 920 लोगों की मौत

तेजी भूकंप के झटकों से अफगानिस्तान में अब तक 920 लोगों की मौत हो गई है वहीं 610 लोग घायल है। भूंकप के भारी तबाही में मरने वाली की संख्या का दावा आपदा प्रबंधन विभाग के डिप्टी मिनिस्टर मौलवी शरफुद्दीन ने किया है। बता दें कि इससे पहले 255 लोगों की मौत हो गई थी। भूंकप के यह झटके पाकिस्तान में भी महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई थी। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक, भूकंप की वजह से अफगानिस्तान में अबतक 920 लोगों की मौत हुई है वहीं 610 लोग घायल हुए हैं। सबस ज्यादा तबाही अफगानिस्तान के पक्तिका और खोस्त प्रांत में आया है। वहीं पाकिस्तान की मीडिया की मुताबिक, भूकंप के झटके इस्लामाबाद समेत बाकी शहरों में भी महसूस किए गए। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने भूकंप से संबधित वीडियो शेयर किए है।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, हम तेल खरीदने में असमर्थ : प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि कर्ज के बोझ से दबी उनकी अर्थव्यवस्था महीनों तक खाद्य पदार्थों, ईंधन और बिजली के अभाव के बाद चरमरा गई है। उन्होंने बुधवार को संसद में कहा कि श्रीलंका ''महज ईंधन, गैस, बिजली और खाद्य सामग्री के अभाव से परे और भी गंभीर हालात का सामना कर रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।'' विक्रमसिंघे देश के वित्त मंत्री भी हैं जिन पर अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका आयातित तेल खरीदने में असमर्थ है क्योंकि उसके पेट्रोलियम निगम पर भारी कर्ज है।

सिंगापुर में बढ़ा कोरोना का कहर, 7,109 नये मामले दर्ज, एक व्यक्ति हुआ मंकीपॉक्स का हुआ शिकार

सिंगापुर। सिंगापुर में मंगलवार को दोपहर तक कोविड-19 के 7,109 नये मामले दर्ज किए गए, जिनमें 6,393 स्थानीय संक्रमण के और 716 अन्य मामले शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक मरीज़ में मंकीपॉक्स के संक्रमण की भी पुष्टि हुई है। महामारी की शुरुआत के बाद से सिंगापुर में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 13,78,090 मामले मिले और 1,405 मरीज़ों ने दम तोड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय (एमओएच) के मुताबिक, सिंगापुर में कोविड-19 के सामुदायिक स्तर के संक्रमण में हर सप्ताह लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। इसका मुख्य कारण ओमीक्रोन के उप-स्वरूप बी.ए.4 और बी.ए.5 का प्रसार है। हालांकि, बी.ए.2 स्वरूप अभी भी सिंगापुर में कोविड-19 संक्रमण के अधिकतर मामलों के लिए जिम्मेदार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा ''लेकिन बी.ए.4 और बी.ए.5संक्रमणों का अनुपात बढ़ रहा है।'' मंत्रालय ने कहा कि पिछले सप्ताह में कोरोना वायरस के लगभग 30 प्रतिशत मामले बी.ए.4 और बी.ए.5 स्वरूप के थे, जबकि पिछले तीन सप्ताह में यह क्रमशः 17 प्रतिशत, आठ प्रतिशत और तीन प्रतिशत थे। मंत्रालय के अनुसार, ''बी.ए.4 और बी.ए.5 के मामलों में वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसका कारण बी.ए.2 की तुलना में उनकी उच्च संचरण क्षमता है।'' मंत्रालय ने सिंगापुर में मंकीपॉक्स संक्रमण के एक मामले की भी पुष्टि की है। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, '42 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक विमान सहायक के रूप में काम करते हैं, उनमें 20 जून को मंकीपॉक्स संक्रमण की पुष्टि की गयी।' चैनल न्यूज़ एशिया के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय संक्रामक रोग केंद्र (एनसीआईडी) में भर्ती कराया गया है और उनके संपर्क में आये अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है।

126 यात्रियों से भरे विमान में लगी आग, रनवे पर मची अफरा-तफरी, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

मियामी। अमेरिका में मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार को एक विमान में, उसके उतरने के बाद आग लग गई। विमान में 126 लोग सवार थे, लेकिन कोई भी गंभीर रूप से जख्मी नहीं हुआ। मियामी-डेड विमानन विभाग के प्रवक्ता ग्रेग चिन ने अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटिड प्रेस को भेजे ईमेल में कहा कि रेड एयर की उड़ानडोमिनिकन रिपब्लिक के सैंटो डोमिंगो से आई थी और इसके 'लैंडिंग गियर' (विमान का निचला ढांचा और पहिये) टूटने की वजह से आग लगी। उन्होंने बताया कि विमान में 126 लोग सवार थे और उनमें से तीन मामूली रूप से जख्मी हुए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। अन्य को बस से टर्मिनल तक ले जाया गया। मियामी-डेड दमकल बचाव विभाग ने ट्विटर पर पोस्ट किया कि दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और ईंधन के रिसाव को कम कर रहे हैं।

इजराइल में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

तेल अवीव। दुनिया के कई अन्य देशों की तरह इजराइल में भी पूरे उत्साह के साथ आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इजराइल में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों को पूरी तरह से हटा लिया गया है। देश के कई हिस्सों में सार्वजनिक स्थलों पर लोगों ने एक साथ योग किया। राजधानी तेल अवीव में मंगलवार की शाम को सैकड़ों योग प्रेमी प्रतिष्ठित पार्क हा-तचाना में एकत्र हुए और पूरे उत्साह एवं जोश के साथ योग दिवस मनाया। इस योग सत्र में हिस्सा लेने के लिए यरुशलम से आए रूथ नामक एक व्यक्ति ने पीटीआई-से कहा, ''दो साल के अंतराल के बाद बिना किसी प्रतिबंध के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वतंत्र रूप से मनाने के लिए यहां वापस आना एक अद्भुत एहसास है।'' तेल अवीव में आयोजित योग सत्र में 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और विभिन्न योग आसन किए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आठ साल पहले 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित करने के बाद से दुनिया के कई देशों में लोगों के बीच योग की लोकप्रियता बढ़ रही है। इस अवसर पर तेल अवीव के मेयर रोन हुलडाई ने कहा, ''तेल अवीव-याफो शहर की ओर से मैं आपको आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बधाई देता हूं। भारत और इजराइल के बीच कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग तथा संयुक्त परियोजनाओं के रूप में तेल अवीव-याफो और भारत के बीच तथा हमारे दोनों देशों के बीच के मधुर संबंधों को देखा जा सकता है। योग दिवस केवल इसका एक उदाहरण है।

पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में मंगलवार देर रात 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में खोस्त से 44 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में 50.8 किलोमीटर की गहराई पर था।

भूकंप देर रात स्थानीय समायानुसार एक बजकर 54 मिनट पर आया। पेशावर, इस्लामाबाद, लाहौर तथा पंजाब के अन्य हिस्सों और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी वजह से जानमाल के किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पाकिस्तान भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है और अकसर यहां भूकंप आते हैं। एक सप्ताह के भीतर आया यह दूसरा भूकंप है। 17 जून को देश में 5.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। देश में 2005 में एक भीषण भूकंप में 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

जोर्डन में किंग् अब्दुल्लाह ने सउदी अरब के काउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का स्वागत किया।

सऊदी अरब के युवराज तुर्की की यात्रा पर, रिश्तों को सामान्य बनाने पर होगा जोर

अंकारा। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान बुधवार को अंकारा पहुंच रहे हैं। वह पहली बार तुर्की की यात्रा पर आ रहे हैं। इस यात्रा का मकसद इस्तांबुल में सऊदी स्तंभकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद क्षेत्र के दो शक्तिशाली देशों के रिश्तों में आई खटास को दूर करने का है। वह पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के आखिरी चरण में तुर्की पहुंच रहे हैं जहां वह राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे। वह मिस्र और जॉर्डन भी गए थे। अगले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन भी इस क्षेत्र की यात्रा पर आने वाले हैं। एर्दोआन ने कहा कि सऊदी युवराज के साथ बातचीत तुर्की तथा सऊदी अरब रिश्तों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने पर केंद्रित होगी। तुर्की के राष्ट्रपति इस साल अप्रैल में सऊदी अरब गए थे। यह 2017 के बाद उनकी अरब देश की पहली यात्रा थी। उनकी उस यात्रा के एक साल बाद 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में खशोगी की बर्बर हत्या की घटना हुई थी। तुर्की सऊदी अरब से अपने रिश्ते सुधारना चाहता है, क्योंकि कि वह दो दशक में सबसे बुरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और समृद्ध खाड़ी अरब देशों से निवेश हासिल करने की कोशिश में है।

लिथुआनिया को धमकी देने के बाद एस्टोनिया की सीमा में घुसा रूसी हेलिकॉप्टर

नाटो के साथ बढ़ सकता है तनाव

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

यूक्रेन में चल रही भीषण जंग के बीच रूस और नाटो देशों के बीच अब सीधे तनाव बढ़ता दिख रहा है। नाटो सदस्य देश लिथुआनिया को धमकी देने के बाद अब रूस का लड़ाकू हेलिकॉप्टर पहली बार एस्टोनिया की सीमा में घुसा है। यही नहीं रूस ने एस्टोनिया की सीमा के पास चल रहे अपने युद्धाभ्यास में हर दिन मिसाइल हमले का अभ्यास भी किया है। रूस ने यह कदम ऐसे समय पर उठाए हैं, जब नाटो देशों का बड़ा शिखर सम्मेलन होने जा रहा है।

एस्टोनिया और लिथुआनिया दोनों ही देश नाटो के सदस्य देश हैं और रूस से इनकी सीमा लगती है। रूस के इन ताजा कदमों से बाल्टिक इलाके में तनाव काफी बढ़ गया है। एस्टोनिया के रक्षा मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी कुस्ती साल्म ने कहा यह धमकी की तस्वीर है। रूस ने यह आक्रामक कदम ऐसे समय पर उठाया है, जब 30 सदस्यीय नाटो के राष्ट्राध्यक्ष स्पेन के मैड्रिड शहर में बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में ये देश रूस के यूक्रेन पर हमले को देखते हुए अपने बचाव के लिए नाटो में मूलभूत बदलाव की योजना को पेश करेंगे।

एस्टोनिया ने कहा है कि उसने रूस के राजदूत को तलब किया है ताकि रूस के एमआई-8 हेलिकॉप्टर की घुसपैठ का विरोध दर्ज कराया जा सके। यह रूसी हेलिकॉप्टर

बिना अनुमति के शनिवार को एस्टोनिया के हवाई इलाके में घुस गया था और करीब 2 मिनट तक बना रहा था। यह घटना एस्टोनिया के दक्षिणी कोइदुला इलाके में हुई जो रूस के पेस्कोव शहर के पास स्थित है। बताया जा रहा है कि एक और रूसी हेलिकॉप्टर एस्टोनिया की सीमा के बिल्कुल पास से गुजरा था।

एस्टोनिया, लिथुआनिया और लात्विया तीनों ही रूसी साम्राज्य का हिस्सा रहे हैं। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ये देश रूस से अलग हो गए थे। इसके बाद साल 1940 में सोवियत संघ ने फिर से इन तीनों देशों पर कब्जा कर लिया। साल 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद ये तीनों देश फिर से अलग हो गए। इससे पहले रूस की सुरक्षा परिषद के प्रमुख निकोले पेत्रुशेव ने धमकी दी थी कि रूस के कलिनिनग्राद क्षेत्र में लिथुआनिया के परिवहन 'नाकाबंदी' पर मास्को की जवाबी कार्रवाई से लिथुआनियाई नागरिक गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

पेत्रुशेव ने कलिनिनग्राद की यात्रा के दौरान कहा बेशक, रूस शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का जवाब देगा। उचित उपाय किए जा रहे हैं और निकट भविष्य में इसका परिणाम देखा जाएगा।' कलिनिनग्राद पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित एक छोटा रूसी क्षेत्र है। शनिवार को लिथुआनिया के राष्ट्रीय रेलवे ऑपरेटर ने यूरोपीय आयोग के निर्देशों का हवाला देते हुए क्षेत्र और रूस के बाकी हिस्सों के बीच स्वीकृत माल के प्रवाह पर प्रतिबंध लगा दिया। रूस ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत इस कदम को अवैध बताया और लिथुआनियाई राजदूत को तलब किया।

इस बीच पुतिन ने कहा है कि रूस की नवीनतम सरमत परमाणु सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल 2022 के अंत तक तैनात की जाएगी। पुतिन ने मंगलवार को कहा हमने सरमत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। योजना के अनुसार, इस तरह की पहली प्रणाली साल के अंत में युद्धक ड्यूटी में प्रवेश करेगी। सरमत का परीक्षण अप्रैल में किया गया था। मिसाइल पुराने वोएवोडा सिस्टम की जगह लेगी, जिसे नाटो रिपोर्टिंग नाम, एसएस-18 शैतान के नाम से भी जाना जाता है।

चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने फिर की घुसपैठ, ताइवानी फाइटर जेट्स ने ड्रैगन को खदेड़ा

ताइपे (एजेंसी)।

चीन के 29 एयरक्राफ्टों ने ताइवान के एयर डिफेंस जोन में प्रवेश कर कुछ देर के लिए तनाव पैदा कर दिया है। इन 29 एयरक्राफ्ट में बॉम्बर भी शामिल थे, लेकिन ताइवान ड्रैगन से नहीं डरा और अपने जहाजों को उड़ाया, जिसने चीन की एयरफोर्स को खदेड़ दिया। मंगलवार को ताइवान में घुसे विमान दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ाने वाले हैं। मई के बाद से ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में ये चीन की सबसे बड़ी घुसपैठ है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि चीन की इस घुसपैठ में 17 लड़ाकू विमान और छह बमवर्षक विमान शामिल थे। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, प्रारंभिक चेतावनी, पनडुब्बी रोधी और हवा में ईंधन भरने वाले जहाज शामिल थे। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की ओर से चीन के विमानों को चेतावनी देने के लिए लड़ाकू विमान भेजे गए। जबकि, मिसाइल सिस्टम को उनके मार्ग की निगरानी के लिए तैनात किया गया था। ताइवान चीन के करीब ही एक स्व-शासित द्वीप है, जिस पर वह अपना दावा करता है। ताइवान ने पिछले दो साल में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर दुनिया से शिकायत की है। ताइवान का कहना है कि पिछले दो साल में चीन की वायु सेना बार-बार दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश करती रही है। ताइवान ने 30 मई को कहा था कि 30 चीनी विमानों ने उसके क्षेत्र में घुसपैठ की है। वहीं इस साल की सबसे बड़ी घुसपैठ जनवरी में हुई थी जब 39 एयरक्राफ्ट ताइवान में घुसे थे। ताइवान की ओर से चीन की इस घुसपैठ को ग्रे जोन वारफेयर बताता जाता है। ताइवान का कहना है कि चीन हर बार हमारी प्रतिक्रिया जानने के लिए ऐसा करता है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बड़े स्तर पर घुसपैठ दिखाता है कि चीन पहले से बड़ा खतरा है। कभी भी ताइवान इन खतरों से भागेगा नहीं और न ही अपनी संप्रभुता और लोकतंत्र के लिए सरेंडर करेगा। हालांकि चीन ने मंगलवार की घुसपैठ पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि इससे पहले चीन कहता रहा है कि उसके इस तरह के कदम देश की संप्रभुता की रक्षा के उद्देश्य से किए गए अभ्यास थे।

फंसा कानूनी पेंच, पाकिस्तान लौटने पर नवाज शरीफ को हो सकती है जेल : तरार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मुल्क लौटने की इच्छा जताई है। उनके छोटे भाई और मौजूदा पीएम शहबाज शरीफ की सरकार ने इसके लिए मंजूरी भी दे दी है। पाकिस्तान की आर्मी को भी इससे दिक्कत नहीं है। इस बीच उनके पाकिस्तान लौटने को लेकर कानूनी पेंच फंसा है। संघीय कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा है कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पाकिस्तान वापस आने के दौरान ट्रांजिट जमानत नहीं मिली, तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। 2020 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी ने पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ की जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद पाकिस्तान नहीं लौटने पर गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। लाहौर हाईकोर्ट ने नवंबर 2019 में नवाज़ शरीफ को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी। उसी महीने शरीफ लंदन के लिए रवाना हो गए। तब से वहीं रह रहे हैं। उनकी पार्टी पीएमएल-एन ने दोहराया है कि नवाज शरीफ की वापसी डॉक्टर की मंजूरी पर सशर्त है। पूर्व प्रधानमंत्री के पाकिस्तान लौटने की अफवाहें बार-बार आती रही हैं, लेकिन अप्रैल में गठबंधन सरकार बनने के बाद अटकलें तेज हो गईं, क्योंकि पीएमएल-एन गठबंधन में नवाज शरीफ प्रमुख खिलाड़ी है। नवाज़ शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के सदस्य तरार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा अगर पार्टी सुप्रीमो को ट्रांजिट जमानत मिल जाती है, तो उन्हें पाकिस्तान पहुंचने पर गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने कहा, हिंसा के लिए उकसाना शांति-सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने कहा है कि हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है तथा संवैधानिक दायरे के भीतर विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने तथा असहिष्णुता का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने मंगलवार को यूक्रेन पर आयोजित, सुरक्षा परिषद की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि निस्संदेह आतंकवाद सभी धर्मों और संस्कृतियों का विरोधी है। सुरक्षा परिषद की इस बैठक का विषय हिंसा को उकसावे से अत्याचार अपराध को बढ़ावा' था।

रवींद्र ने कहा, ''हमें कट्टरपंथ और आतंकवाद दोनों का ही सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए।'' भारतीय राजदूत ने कहा कि संवैधानिक दायरे के भीतर विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने, बहुलवाद को

बढ़ावा देने तथा असहिष्णुता का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाता है। आर रवींद्र ने कहा, 'हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है। भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि लोकतंत्र और बहुलवाद के सिद्धांतों पर आधारित समाज विविध समुदायों को एक साथ रहने के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करता है।' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है किनफरत फैलाने वाले भाषणों और भेदभाव के खिलाफ अभियान कुछ चुनिंदा धर्मों और समुदायों तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके दायरे में सभी प्रभावित लोगों को शामिल करना चाहिए।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यूक्रेन संकट ने न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया है, और साथ ही यह युद्ध व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव तथा अस्थिरता पैदा कर रहा है। रवींद्र ने कहा, ÷भारत यूक्रेन में गंभीर रूप से दिन-प्रतिदिन बिगड़ते हालात को लेकर बेहद चिंतित है तथा हिंसा को तत्काल समाप्त करने और शत्रुतापूर्ण भावना को समाप्त करने के अपने आह्वान को दोहराता है। हम इस युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करते हैं, हम विशेष रूप से यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जैसा कि हमने पहले भी कहा है, हम यूक्रेन में अत्याचारों की स्वतंत्र रूप से जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आह्वान का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने खाद्य सुरक्षा पर विवाद के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए रचनात्मक रूप से काम करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

अमेरिकी दबावों को दरकिनार कर रुस से बढ़ी मात्रा में तेल खरीद रहा भारत

ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन से होगी पीएम मोदी की मुलाकात

मास्को(एजेंसी)।

यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिकी धमकियों के बाद भी भारत अपने सदाबहार दोस्त रूस के साथ चट्टान की तरह से खड़ा हुआ है। भारत ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से खुद को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत के रूस से तेल आयात में 25 गुना की वृद्धि हुई है। इससे रूस को पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की मार से बचने में काफी मदद मिली है। वहीं पीएम मोदी गुरुवार को ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात में 25 गुना की वृद्धि की है। युद्ध शुरू होने से पहले भारत रूस से फरवरी में हर दिन 30 हजार बैरल कच्चा तेल खरीदता था, जून में यह आंकड़ा 10 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया है। यह यूरोप के रूस से आयात का एक चौथाई है। इससे पहले यूरोपीय देशों के नेताओं ने ऐलान किया था कि वे साल के अंत तक रूस से तेल के आयात को 90 फीसदी तक कम कर देने वाले हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने अपनी कंपनियों से कहा है कि वे रूस से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करें।

उधर, भारत ने साफ कह दिया है कि तेल की खरीद का फैसला ऑयल कंपनियों का है। भारत के अलावा तुर्की और चीन ने भी रूस से सस्ता तेल खरीदने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। अमेरिका सहित पश्चिमी देश लगातार भारत पर दबाव बना रहे हैं कि वह रूस से तेल की खरीद को कम करे ताकि उनके प्रतिबंधों का असर रूस पर पड़े। पश्चिमी देशों का मानना है कि तेल और गैस के पैसे के दम पर रूस यूक्रेन युद्ध को लड़ रहा है। भारत की कंपनी इंडियन ऑयल अभी और तेल खरीद बढ़ाने पर काम कर रही है। दरअसल, रूस भारत को बंपर छूट पर तेल दे रहा हैं, इसकारण यह आयात बढ़ रहा है। भारत तेल का बड़ा आयातक है, सस्ते तेल की वजह से भारत को बड़ा आर्थिक फायदा हो रहा है। इससे महंगाई को काबू में रखने में बड़ी मदद मिल रही है। इस बीच ब्रिक्स देशों की गुरुवार को बैठक होने जा रही है। इस वर्चुअल बैठक में पीएम मोदी, पुतिन, शी जिनपिंग, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। पुतिन यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार ऐसी किसी बैठक में शामिल हो रहे हैं जिसमें दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

पश्चिमी देशों से बहिष्कार झेल रहे पुतिन के लिए यह बड़ा मौका है और यह इस बात का संकेत है कि रूस के ऊपर चाहे कितना भी प्रतिबंध लगा दिया जाए वह अकेला नहीं है। रूस के साथ एकजुटता का यह संदेश उस समय और ज्यादा साफ हो गया था जब कुछ समय पहले चीन और रूस ने ऐलान किया था कि दोनों के बीच संबंधों में अब कोई सीमा नहीं होगी। भारत सहित ब्रिक्स के किसी भी देश ने अभी तक रूस के हमले की निंदा नहीं की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता पुतिन के साथ दिखाई देने के इच्छुक हैं। उनका कहना है कि पुतिन का ब्रिक्स में स्वागत है और भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के लिए यह वह अछूत नहीं हैं। यह सम्मेलन हर साल होता है और इस साल भी हो रहा है जो पुतिन के लिए बहुत अच्छा है।

भारत और नेपाल को जोड़ने वाली भारत गौरव ट्रेन को हरी झंडी दिखायी गई

नयी दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को भारत और नेपाल को जोड़ने वाली भारत गौरव ट्रेन को आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर रेड्डी ने कहा, भारत गौरव पर्यटक ट्रेन मंगलवार से 18 दिनों के लिए अपनी पहली श्री रामायण यात्रा शुरू करने जा रही है। रामायण सर्किट पर चलने वाली ट्रेन की पहली यात्रा में अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, पंचवटी (नासिक), हम्पी, रामेश्वरम और भद्राचलम जैसे अन्य लोकप्रिय स्थलों के अलावा पहली बार जनकपुर (नेपाल में) का धार्मिक स्थल भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ने इंडियन कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) और रेल मंत्रालय के साथ मिलकर कृष्ण सर्किट, बौद्ध सर्किट और कई अन्य सर्किटों के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का प्रस्ताव रखा है। रेड्डी ने कहा, भारत गौरव ट्रेनें देश के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को दिखाने का एक प्रयास है। रेल मंत्रालय द्वारा परिकल्पित भारत गौरव ट्रेनों की अनूठी अवधारणा, देश भर में बड़े पैमाने पर पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगी। भारत के सभी हिस्सों के लोगों को देश के स्थापत्य, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चमत्कारों का पता लगाने का अवसर प्रदान करेगी। वैष्णव ने कहा कि भारत गौरव ट्रेनों के पीछे मुख्य उद्देश्य भारत की विविध संस्कृति और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करना है।

अफगानिस्तान में भूकंप से लोगों की मौत पर भारत ने शोक प्रकट किया, सहायता और समर्थन देने का किया वादा

नयी दिल्ली।भारत ने अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में आए शक्तिशाली भूकंप में काफी संख्या में लोगों के मारे जाने पर बुधवार को शोक प्रकट किया और जरूरत की इस घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों को सहायता एवं समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, '' भारत, अफगानिस्तान में आए भयावह भूकंप के पीड़ितों एवं उनके परिवारों तथा इससे प्रभावित होने वाले सभी लोगों के प्रति शोक एवं सहानुभूति प्रकट करता है। '' उन्होंने कहा कि हम अफगानिस्तान के लोगों की पीड़ा को साझा करते हैं और इस जरूरत की घड़ी में उन्हें सहायता एवं समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में आए शक्तिशाली भूकंप से कम से कम 920 लोगों की मौत हो गई और 600 अन्य घायल हुए। अफगानिस्तान के आपात सेना के अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह आपदा देश पर ऐसे समय में आई है, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान के देश को अपने नियंत्रण में लेने के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अफगानिस्तान से दूरी बना ली है। इस स्थिति के कारण 3.8 करोड़ की आबादी वाले देश में बचाव अभियान को अंजाम देना काफी मुश्किल भरा होने का अंदेशा है।

मायावती ने मतदाताओं से की उपचुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए बृहस्पतिवार को होने वाले उपचुनाव में मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की है। मायावती ने बुधवार को किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा उत्तर प्रदेश में आज़मगढ़ लोकसभा सीट पर कल 23 जून को होने वाले उपचुनाव में बसपा को जिस प्रकार से सभी वर्गों और धर्मों के लोगों का समर्थन मिल रहा है, वह काफी उत्साहवर्धक है। विरोधियों के हथकण्डों से दूर रहकर यह जन समर्थन वोट में भी ज़रूर बदलेगा, ऐसा पूर्ण विश्वास। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा बसपा उम्मीदवार शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों का हमेशा मददगार होने के कारण इनकी साख व लोकप्रियता विरोधियों से कहीं अधिक है, जिसका चुनाव परिणाम पर अच्छा असर पड़ने की संभावना है। मतदान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की भी पुरज़ोर अपील है।

जम्मू-कश्मीर में पुलिस अधिकारी के हत्यारे सहित 4 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस के सब-इंस्पेक्टर फारूक अहमद के हत्यारे सहित चार स्थानीय आतंकवादियों को पुलवामा और सोपोर जिलों में दो आतंकवाद विरोधी अभियानों में मार गिराया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि पुलवामा में तुज्जन गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस, सेना और सीआरपीएफ कर्मियों ने इलाके को संयुक्त रूप से घेरकर तलाशी अभियान शुरू की। तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त सुरक्षा बल जैसे ही उस स्थान पर पहुंचा, जहां आतंकवादियों के छिपे होने का संदेह था, वे अंधाधुंध गोलीबारी की चपेट में आ गए और जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए और उनके शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किए गए। इनकी पहचान पुलवामा के बरपोरा निवासी आबिद अहमद शेख और पंपोरा के बानपोरा लड्डू निवासी माजिद नजीर वानी के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मारे गए दोनों आतंकवादी सुरक्षा बलों पर हमले और नागरिकों पर अत्याचार सहित कई आतंकी अपराध के मामलों में शामिल समूह का हिस्सा थे। इसके अलावा, मारे गए आतंकवादी माजिद नजीर वानी भी एसआई फारूक अहमद की हत्या में शामिल थे। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने कहा, इसी तरह सोपोर के तुलीबल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पुलिस को मिले खास इनपुट के आधार पर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

असम के सीएम की पत्नी ने मनीष सिसोदिया पर 100 करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा किया

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा ने पीपीई किट खरीद मामले में घपले का आरोप लगाने वाले आप नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया। रिंकी सरमा के वकील पी. नायक ने कहा कि उनके मुवक्किल ने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों के तहत पीपीई किट दान के रूप में जमा की।

महीने की शुरुआत में असम के मुख्यमंत्री और सिसोदिया के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया था, जिसमें सिसोदिया द्वारा कोविड पीपीई किट की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप के बाद मानहानि का मुकदमा दायर करने की धमकी दी गई थी। सिसोदिया ने दावा किया कि पीपीई किट के ठेके सरमा की पत्नी से जुड़ी कंपनी को दिए गए। सिसोदिया ने कहा था कि असम सरकार ने अन्य कंपनियों से 600 रुपये के लिए पीपीई किट की खरीद की, सीएम सरमा ने अपनी पत्नी और बेटे के व्यापारिक भागीदारों की फर्मों को 990 रुपये प्रति पीस के लिए तत्काल आपूर्ति के आदेश दिए।

आधी रात को अदालत में पेश किया गया लारेंस विश्नोई, 27 जून तक बढ़ाई गई पुलिस रिमांड

नई दिल्ली । मूसेवाला मर्डर केस के मास्टरमाइंड लॉरेंस विश्नोई की पुलिस रिमांड 5 दिन के लिए बढा दी गई है। लॉरेंस अब 27 जून तक पुलिस की हिरासत में रहेगा। मंगलवार देर रात उसे मानसा कोर्ट में पेश किया गया। रिमांड मिलने के बाद पंजाब पुलिस उसे मानसा से रात को ही खरड़ स्थित क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी स्टाफ के दफ्तर ले आई। इससे पहले पहले लॉरेंस विश्नोई का मानसा के सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाया गया। दरअसल, पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा जिला अदालत में देर रात करीब 10 बजे पेश किया। पुलिस ने कोर्ट में दलील दी कि कई गैंगस्टरों से लॉरेंस के सामने बिठाकर पूछताछ करनी है। पुलिस रिमांड के दौरान लॉरेंस बिश्नोई को मोहाली के सीआईए स्टाफ के दफ्तर में रखा गया था और यहीं से कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा ले जाया गया। बताया गया कि सुरक्षा कारणों के चलते लॉरेंस बिश्नोई की पेशी रात में ही मानसा कोर्ट के सामने करवाई गई। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई का मानसा अदालत से 10 दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन मानसा कोर्ट ने 27 जून तक रिमांड दिया गया है। अब 27 जून को लॉरेंस बिश्नोई को मानसा जिला अदालत में एक बार फिर से पेश किया जाएगा। पुलिस लॉरेंस को दिल्ली की तिहाड़ जेल से लाई है। पहले मानसा कोर्ट ने उसे 7 दिन के रिमांड पर भेजा गया था। कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस ने 35 पत्रों की रिपोर्ट पेश की। जिसमें हत्याकांड में लॉरेंस की भूमिका के बारे में बताया। उससे पूछताछ में हुए खुलासे को लेकर कोर्ट को बताया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में 10 दिन का रिमांड मांगा था।

भारी बारिश के कारण आयी बाढ़ में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का 150 फुट लंबा खंड बह गया

बनिहाल/उधमपुर/जम्मू। (एजेंसी)।

जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ जाने पर एक निर्माणाधीन पुल की 'शटरिंग' और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का 150 फुट लंबा खंड पानी में बह गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामबन और उधमपुर जिलों में भूस्खलन के कारण लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी रणनीतिक महत्व का मार्ग बंद रहा, जिससे बड़ी संख्या में वाहन फंसे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाली मुगल रोड पर भी भूस्खलन के कारण यातायात बाधित रहा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, भारी बारिश होने के कारण निर्माणाधीन पीराह पुल की 'शटरिंग' बह गयी।'' उन्होंने बताया कि हालांकि, यातायात के लिए आमतौर परइस्तेमाल किया जाने वाला पुल सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि उधमपुर जिले में, उधमपुर शहर से 16 किलोमीटर दूर तोल्दी नाले के पास जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग का 150 फुट लंबा खंड बुधवार को बह गया। कई मशीन भी तवी नदी में अचानक बाढ़ आ जाने पर बह गई, जिनका इस्तेमाल सड़क को ठीक करने में किया जा रहा था। एक यातायात अधिकारी ने कहा, बुधवार को (यातायात के लिए) सड़क के खुलने की संभावना कम है।

अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि रामबन और उधमपुर जिलों में 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर 33 से अधिक स्थानों पर भूस्खलन और कई स्थानों पर चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि पंथियाल में मंगलवार को चट्टानें गिरने के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि, राजमार्ग को साफ करने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि राजमार्ग पर बैटरी चेश्मा में स्थिति अधिक खराब है, क्योंकि वहां फंसे भारी वाहनों को निकालने के लिए काफी सारी मिट्टी को हटाना बाकी है।

उन्होंने कहा कि खरी से महू और खारी से नचलाना को जोड़ने वाली सड़क चट्टानें गिरने के कारण बाधित है। सड़क का एक हिस्सा हिरनिहाल में जलमग्न हो गया है। उन्होंने कहा कि लोगों को अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जाती है। खबरों के मुताबिक, राजमार्ग के किनारे विभिन्न स्थानों पर तकरीबन एक हज़ार से अधिक वाहन फंसे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि चूंकि राजमार्ग यातायात के लिए बंद है, इसलिए फंसे हुए यात्रियों को भोजन और चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई गयी हैं। अधिकारियों ने कहा कि रामसू-रामबन सेक्टर में अभी भी बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि पोशाना में भूस्खलन के कारण मुगल मार्ग बंद है, चीनी नाला पर एसएसजी मार्ग भी भूस्खलन की वजह से यातायात के लिए अवरूद्ध है और उसे साफ करने का कार्य जारी है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण सड़क से चट्टानें और मिट्टी हटाने के कार्य में बाधा आ रही है।

सोनिया गांधी ने ईडी से पूछताछ के लिए मांगा और समय, स्वास्थ्य का दिया हवाला

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईडी को चिट्ठी लिखकर पूछताछ के लिए और समय देने की मांग की है। सोनिया गांधी ने कोविड, फेफड़ों के संक्रमण से पूरी तरह ठीक होने तक अपनी पेशी को कुछ हफ्तों के लिए स्थगित करने की मांग की है कोरोना वायरस संक्रमण के बाद की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के चलते 75 वर्षीय सोनिया गांधी को 12 जून को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई थीं। उन्हें 20 जून को अस्पताल से छुट्टी मिली। अस्पताल ने उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड से संबंधित कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सोनिया गांधी को नए सिरे से समन जारी कर 23 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। अब सोनिया गांधी ने फिर ईडी को चिट्ठी लिखकर कुछ हफ्तों का समय मांगा है। सोनिया गांधी को इससे पहले आठ जून को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित होने की वजह से उन्होंने जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए नई तारीख देने को कहा था। जांच एजेंसी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पहले ही पूछताछ कर रही है और वह ईडी के सामने मंगलवार को फिर पेश हुए थे। उनसे करीब 53 घंटे की पूछताछ हो चुकी है।

मिट्टी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये सामूहिक प्रयासों की जरूरत : राजनाथ सिंह

कोयंबटूर। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोगों द्वारा मिट्टी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में भारत अपनी परंपरा और संस्कृति से प्रेरित होकर लगातार मृदा संरक्षण के लिए प्रयास करता रहा है। ईशा फाउंडेशन की ओर से यहां सुलूर में भारतीय वायु सेना के अड्डे पर आयोजित 'सेव सॉयल'(मृदा संरक्षण) कार्यक्रम को आनलाइन संबोधित करते हुये रक्षा मंत्री ने कहा, ''हम अच्छी तरह से जान चुके हैं, कि केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करके मृदा का संरक्षण नहीं किया जा सकता है।

इसके लिए हमे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्रभूमि, आदि इससे जुड़े अन्य सभी घटकों को संरक्षित करना और उनका संवर्द्धन करने की कोशिश करनी होगी। '' उन्होंने कहा, ''यह सर्वविदित है कि सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का समाधान संभव है। इसलिए आज यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिलकर एक बेहतर दुनिया की ओर कदम बढ़ाएं।'' सिंह ने कहा, ''यद्यपि अतीत में लौटना संभव नहीं है और न ही उचित है, विज्ञान के क्षेत्र में नई तकनीकों को खोजना और ऐसे नवाचार करना निश्चित रूप से संभव है, जो हमारे पर्यावरण के अनुकूल मूल्यों को बरकरार रखें।'' उन्होंने कहा,''हमें प्रकृति का साथी बनना चाहिए, और जीवों के साथ-साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।'' योग के साथ समानता की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा, ''आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। मैं आपको इस दिन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हमारा शरीर और मन एक दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''योग हमारे तन और मन को स्वस्थ रखता है। इसी तरह, हमारा स्वास्थ्य भी आसपास की हवा और मिट्टी की गुणवत्ता पर ही निर्भर करता है।'' उन्होंने कहा कि मिट्टी बहुत व्यापक और गहरे अर्थों में मानव सभ्यता, संस्कृति, साहित्य, इतिहास, कला और दर्शन से सीधे संबंधित है। सिंह ने कहा कि राजस्थान में दाल-बाटी-चूरमा, बंगाल-बिहार में भात अथवा तमिलनाडु में इडली-सांभर अचानक स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा नहीं बन गए। मौसम, जल संसाधन और साथ ही मिट्टी स्थानीय प्राथमिकताओं के पीछे मुख्य कारण रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में जिस प्रकार की फसल का उत्पादन होता है, वही क्षेत्र के भोजन और संस्कृति को निर्धारित करती है। धरती के बारे में संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि यह पूरी मानवता के लिए खतरे की एक बड़ी घंटी है।

द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाया जाना आदिवासी गौरव को नयी ऊंचाई पर ले जाएगा : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजग की उम्मीदवार घोषित किये जाने के फैसले की सराहना की और कहा कि यह कदम आदिवासी गौरव को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगा। शाह ने कई ट्वीट करके कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए मुर्मू की उम्मीदवारी की घोषणा महिलाओं और आदिवासियों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अटूट संकल्प का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, ''आज देश के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण है, जब नरेंद्र मोदीके नेतृत्व व जे पी नड्डा की अध्यक्षता में राजग ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर द्रौपदी मुर्मू जी के नाम की घोषणा की है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चाहे महिला सशक्तिकरण हो या जनजातीय अस्मिता के गौरव को पुनर्स्थापित करना हो, इस दिशा में जितने कार्य पिछले 8 साल में हुए हैं वो पहले कभी नहीं हुए। आज का ये निर्णय प्रधानमंत्री मोदी के महिला व जनजातीय कल्याण के उसी अटूट संकल्प का प्रतिबिंब है।'' शाह ने कहा, ''द्रौपदी मुर्मू जी ने जनजातीय समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने व जनप्रतिनिधि के रूप में लम्बे समय तक जनसेवा करते हुए सार्वजनिक जीवन में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इस गरिमामई पद की प्रत्याशी बनने पर उनको शुभकामनाएं देता हूं व मुझे विश्वास है कि वो निश्चित रूप से जीतेंगी।

1984 सिख विरोधी दंगा : 2 और आरोपी कानपुर से गिरफ्तार

कानपुर (एजेंसी)।

विशेष जांच दल (एसआईटी), कानपुर पुलिस आयुक्तालय और कानपुर बाहरी पुलिस ने यूपी के कानपुर जिले में 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान हुए निराला नगर हत्याकांड में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 6 हो गई है। एसआईटी के पुलिस उप महानिरीक्षक बालेंदु भूषण सिंह ने कहा, हमने छापेमारी कर 61 वर्षीय अमर सिंह और 60 वर्षीय मोबीन को घाटमपुर इलाके से गिरफ्तार किया है।÷ इससे पहले 15 जून को निराला नगर हत्याकांड के चार आरोपियों की पहचान योगेंद्र सिंह, विजय नारायण सिंह, शफीउल्लाह और अब्दुल रहमान के रूप में हुई थी, जिन्हें एसआईटी ने गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस सरकार में राज्य मंत्री रहे शिवनाथ सिंह कुशवाहा के भतीजे राघवेंद्र कुशवाहा की गिरफ्तारी अभी बाकी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 1984 में निराला नगर में भूपेंद्र सिंह और रक्षपाल सिंह को जिंदा जला दिया गया था, जबकि सरदार गुरुदयाल सिंह के बेटे सतवीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 2019 में एसआईटी के गठन के बाद, मामले में 31 आरोपियों की पहचान की गई थी, जिनमें से चार आरोपियों शफीउल्लाह, योगेंद्र सिंह, विजय नारायण सिंह और अब्दुल रहमान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। एसआईटी ने 11 मामलों की जांच पूरी कर 96 आरोपियों की पहचान कर ली है, जिनमें से 22 की मौत हो चुकी है।

पंजाब में सत्ता में आने के बाद आप को पहली बड़ी चुनावी लड़ाई का करना होगा सामना

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट के लिए बृहस्पतिवार को उपचुनाव होना है जिसमें सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) विधानसभा चुनाव में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद लोकप्रियता की पहली परीक्षा का सामना कर रही है। यह चुनाव ऐसे समय हो रहा है जब कानून-व्यवस्था के मुद्दे और गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर आप विपक्ष की तीखी आलोचना का सामना कर रही है। आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में संगरूर लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली विधानसभा की सभी नौ सीट पर जीत दर्ज की थी और वह लोकसभा चुनाव में भी इस प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश में है। हालांकि कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के उम्मीदवार यहां उलटफेर की कोशिश में हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यहां व्यापक प्रचार किया और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ सोमवार को रोड शो भी किया तथा मतदाताओं से पार्टी प्रत्याशी गुरमेल सिंह को चुनने का आग्रह किया। सिंह पार्टी के संगरूर जिला प्रभारी भी हैं। मान ने भरोसा व्यक्त करते हुए कहा, 'संगरूर के क्रांतिकारी लोग एक बार फिर आम आदमी को वोट देंगे और आप के गुरमेल सिंह प्रचंड बहुमत से उपचुनाव जीतेंगे।' संगरूर में चुनाव प्रचार के दौरान मान ने कहा कि विपक्ष के विपरीत, आम आदमी पार्टी युवाओं को रोजगार प्रदान करने, स्कूलों और अस्पतालों को विकसित करने, भ्रष्टाचार और माफिया तत्वों को खत्म करने, फिर से 'रंगला (जीवंत) पंजाब' का मार्ग प्रशस्त करने जैसे मुद्दों पर उपचुनाव लड़ रही है। इस सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम को खत्म हुआ। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने धूरी के पूर्व विधायक दलवीर सिंह गोल्डी को उपचुनाव में उतारा है, जबकि भाजपा ने बरनाला के पूर्व विधायक केवल ढिल्लों को मैदान में उतारा है, जो चार जून को पार्टी में शामिल हुए थे। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीत सिंह मान भी चुनावी मैदान में हैं। शिअद ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआना की बहन कमलदीप कौर को प्रत्याशी बनाया है। भगवंत मान के धूरी से 20 फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव लड़ने और जीतने के बाद संगरूर लोकसभा सीट खाली हुई थी। मान ने 2014 और 2019 में संगरूर लोकसभा सीट से चुनाव जीता था और धूरी सीट से विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, सात और लोगों की मौत, 55 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)।

असम में ब्रह्मपुत्र, बराक एवं उनकी सहायक नदियों में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही। राज्य में इस प्राकृतिक आपदा के कारण सात और लोगों की जान चली गई एवं करीब 55 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौत के नये मामलों के बाद इस साल प्राकृतिक आपदा के कारण इस साल 89 लोग जान गंवा चुके हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सर्मा ने बाढ़ प्रभावित नलबाड़ी और कामरुप जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और कहा कि जल्द ही राहत पैकेज की घोषणा की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, भुवनेश्वर से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मी बचाव अभियान में मदद के लिए असम भेजे गये हैं। बराक घाटी में करीमगंज और कचार जिलों में बराक एवं कुशियारा नदियों का जलस्तर बढ़ते जाने से स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीआरएफ की चार इकाइयां बचाव अभियान में मदद के लिए भुवनेश्वर से सिलचर भेजी गयी हैं। उन्होंने कहा, '' एनडीआरएफ की चार इकाइयां यानी कुल 105 कर्मी बराक घाटी में बचाव अभियान चलाने के लिए सिलचर भेजे गये हैं। '' उन्होंने इस 'त्वरित मदद ' के लिए गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। कचार में 506 गांव के 2.16 लाख लोग और करीमगंज में 454 गांव के 1.47 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में 36 में से 32 जिलों में करीब 48 लाख लोग बाढ की इस दूसरी लहर से बेहाल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, राज्य के 36 में से 32 जिलों के 55,42,053 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बारपेटा सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां 12.51 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण आयी बाढ़ के चलते 2.62 लाख लोगों ने 862 राहत शिविरों में शरण ली है। राहत कार्य में लगी एजेंसियों ने पिछले 24 घंटे में 11,292 लोगों एवं 27,086 मवेशियों को बाढ़ वाले क्षेत्रों से बाहर निकाला। केंद्रीय जल आयोग के बुलेटिन के अनुसार, नगांव जिले के कामपुर में कोपिली नदी और निमाटिघाट, तेजपुर, गुवाहाटी, कामरूप, ग्वालपाड़ा और धुबरी में ब्रह्मपुत्र नदी तथा पुथिमारी, पागलडिया, बेकी, बराक, कुशियारा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बारपेटा, कचार, दारांग, ग्वालपाड़ा, कामरूप (मेट्रो) और करीमगंज के शहरी इलाकों में भी बाढ़ की खबर है तथा कामरूप एवं करीमगंज में दिन में भूस्खलन हुआ। कुल 1,13,485.37 हेक्टयर क्षेत्र में लगी फसल एवं 33,84,326 जानवरों पर बाढ़ का असर पड़ा है। दो तटबंध टूट गये तथा 316 सड़कें एवं 20 पुल क्षतिग्रस्त हो गये।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॉलेज छात्रा की हत्या की गुत्थी सुलझी, पुलिस ने मृतक के प्रेमी को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अरवल्ली,जिले के मेघरज में कॉलेज की छात्रा की हत्या की गुत्थी सुलझाते पुलिस ने मृतक के 19 वर्षीय प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमी ने युवती की हत्या के बाद उसका शव लटका दिया था और उसके परिवार समेत पुलिस को गुमराह कर रहा था। घटना चार दिन पहले की है। अरवल्ली जिले के मेघरज में चार दिन पहले कॉलेज की एक छात्रा का हत्या किया हुआ शव मिला था। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि गवाह ही आरोपी है। घटना के बाद से 19 वर्षीय आरोपी किरण भगोरा मृत युवती के परिवार और पुलिस को गुमराह कर रहा था। किरण भगोरा और मृत युवती के बीच प्रेम संबंध थे। लेकिन किरण को आशंका थी कि उसकी प्रेमिका किसी अन्य युवक के प्रेम में है। इसी आशंका में किरण ने युवती का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या के बाद उसका शव लटका दिया। बाद में युवती के परिवार और पुलिस को गलत जानकारी दी। लेकिन पुलिस ने आज युवती की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए किरण भगोरा को गिरफ्तार कर लिया। किरण भगोरा से पुलिस ने मृत युवती का मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

54,000 रुपये मासिक वेतन पाने वाले ASI को 2,000 रुपये की रिश्वत में रंगे हाथ पकड़ा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

रांदेर थाना के एएसआई सतीश पटेल 54,000 रुपये मासिक वेतन होने के बावजूद 2000 रुपये की रिश्वत में एसीबी के जाल में फंस गए हैं. एएसआई सतीश ने गिरफ्तारी वारंट में कपड़ा व्यापारी को परेशान नहीं करने पर 2,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रांदेर इलाके में रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी के खिलाफ एक अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था. तो रांदर पुलिस एएसआई सतीश दह्या पटेल (52) (राहे, भागुनगर, मोराभागल, रांदेर, मूल रहे, बारबोधंगम, ओलपाड) गिरफ्तारी वारंट को अंजाम देने के लिए व्यापारी के घर गए। रिश्वत मांगने वाले एएसआई सतीश ने व्यापारी को परेशान

न करने और गिरफ्तारी वारंट पर अमल नहीं करने पर 2,000 रुपये की रिश्वत मांगी।

व्यापारी ने बुधवार को एसीबी के लिए जाल बिछाया और रिश्वत लेने वाले एएसआई सतीश पटेल को रांदेर जिले के एक पुल के नीचे एक चाय की केतली से 2,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी के जाल में फंसकर एएसआई का पसीना छूटा।

रांदेर थाने में एएसआई सतीश पटेल ने समन वारंट पर अमल किया। और उनके रिटायर होने में 6 साल का समय बचा था। एसीबी ने एएसआई सतीश पटेल की गिरफ्तारी की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले जब व्यापारी वारंट तामील कराने गया तो रिश्वत लेने वाला एएसआई सतीश पटेल दो-तीन बार दो हजार रुपये लेकर आया था। उल्लेखनीय है कि एएसआई का मासिक वेतन 54 हजार है।

एक सप्ताह पूर्व व्यापारी के घर गया पीएसआई, 6 कर्मियों ने परिवार के साथ किया बदसलूकी रांदेर थाने में ड्यूटी पर तैनात पीएसआई व 6 अन्य पुलिसकर्मी पिछले सप्ताह देर से जांच के लिए कपड़ा व्यापारी के घर गए थे. एसीबी सूत्रों ने कहा कि व्यापारी नहीं मिला लेकिन पुलिस ने व्यापारी के परिवार के साथ बुरा व्यवहार किया। इतना ही नहीं व्यापारी के पूरे घर की तलाशी ली।

पालीताणा नगर पालिका में सत्तारूढ़ भाजपा के तीन नगर पार्षदों का इस्तीफा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर,जिले की पालीताणा नगर पालिका में सत्तारूढ़ दल भाजपा के तीन नगर पार्षदों के इस्तीफे से हड़कम्प मच गया है। अपने वार्ड में काम नहीं होने की वजह से नाराज भाजपा पार्षदों ने इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वाले तीनों नगर पार्षद एक ही वार्ड के हैं। वार्ड नंबर 1 के तीन नगर पार्षद अजय राजुभाई जोशी, रोशन रसूलभाई अबडा और किरण गोविंदमल कुकडेजा के अचानक इस्तीफे से भाजपा में हड़कम्प मच गया है। इस्तीफों के बाद हरकत में आई पार्टी ने तीनों नगर पार्षदों को मनाने की कवायद शुरू की है। गौरतलब है भावनगर जिले की पालीताणा नगर पालिका में भाजपा सत्ता में है और पार्टी की सरकार होने के बावजूद अपने क्षेत्र में काम नहीं होने की वजह से कई नगर पार्षदों में रोष है। अगर काम नहीं होता है तो नगर पार्षदों का उनके क्षेत्र के लोग विरोध करेंगे। इसी वजह से अजय जोशी, रोशन अबडा और किरण कुकडेजा ने इस्तीफा दिया है। फिलहाल पार्टी नाराज तीनों पार्षदों को मनाने के प्रयास कर रही है।

कनाडा की मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से भेंट की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,कनाडा की मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल सुश्री दिराह केली ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की। मुख्यमंत्री के साथ आयोजित बैठक में सुश्री केली ने कनाडा-भारत तथा गुजरात के बीच ऊष्मापूर्ण संबंधों; विशेषकर शिक्षा, औद्योगिक निवेशों, ग्रीन एन्वायर्नमेंट, क्लीनटेक जैसे विषयों में सहभागिता के अवसरों पर फलदायी परामर्श किया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ बातचीत में कॉन्सुल जनरल सुश्री केली ने कहा कि कनाडा ने ऑटोमोटिव, क्लीन टेक-रिन्युएबल एनर्जी, शिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, लाइफ़ साइंसेज़

जैसे सेक्टर्स में बहुविद् अवसरों पर ध्यान केन्द्रित कर अहमदाबाद में एक ट्रेड कमिशनर सर्विस ऑफ़िस शुरू किया है। इसे राज्य सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग की सुश्री केली ने प्रशंसा की। बैठक के दौरान उन्होंने गुजरात के लाखों विद्यार्थियों के पढ़ाई के लिए कनाडा जाने का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि भारत की फ़ाइनेंशियल तथा टेक्नोलॉजी गेट-वे और विश्व स्तरीय ढांचागत सुविधाओं वाली गिफ़्ट सिटी में कनाडा की फ़ाइनेंशियल संस्थाओं, फ़िनटेक कम्पनियों एवं कैनेडियन पेंशन फ़ंड के लिए विशेष अवसर हैं।श्री पटेल ने कनाडा की इस क्षेत्र की संस्थाओं को गिफ़्ट सिटी में निवेश के लिए आने का निमंत्रण भी दिया। इतना ही नहीं, बैठक में मुख्यमंत्री ने कनाडाई कम्पनियों को क्लीन एनर्जी, ग्रीन मोबिलिटी के अलावा ग्रीन एनर्जी के लिए सोलर, विण्ड, ग्रिड इंटीग्रेशन तथा ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी आदि में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए गुजरात में निवेश के अवसरों की संभावनाएँ तलाशने का भी सुझाव दिया।

कनाडा की मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल सुश्री केली ने बैठक में कनाडा के उद्योगों की वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी तथा स्लम एरिया में रिसाइकल्ड वॉटर प्रोजेक्ट के विषय में जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सुश्री केली को स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी की प्रतिकृति स्मृति चिह्न के रूप में भेंट देते हुए उन्हें विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी को अवश्य देखने का आमंत्रण भी दिया।

भारी से अतिभारी बारिश की संभावना के चलते दक्षिण गुजरात में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अलर्ट पर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में खासकर दक्षिण गुजरात में आगामी दिनों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना के चलते एनडीआरएफ औरएसडीआरएफ को अलर्ट कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, तापी और डांग जिले में जबर्दस्त बारिश हो सकती है। गुजरात के ज्यादातर हिस्सों में मॉनसून दस्तक दे चुका है और पिछले 24 घंटों के दौरान कई हिस्सों में मूशलाधार बारिश हुई है। अब आगामी 5 दिन खासकर दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक वलसाड जिले में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। 24 जून से 26 जून के दौरान वलसाड में भारी से अतिभारी बारिश होगी। जिसे देखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, तापी और डांग जिले में पांच दिनों के दौरान बरसाती माहौल रहेगा और भारी बारिश होगी। खासकर वलसाड में 24 से 26 जून के दौरान भारी से अतिभारी बारिश की संभावना के चलते वडोदरा से एनडीआरएफ की एक टीम नवसारी पहुंच गई है। एसडीआरएफ की भी एक-एक टीम सूरत और भरुच भेजी गई है। भारी से अतिभारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। मौसम विभाग ने तीन बरसाती सिस्टम सक्रिय होने की जानकारी दी है। इन तीन सिस्टम की वजह से दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश का अनुमान है।